हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–278 : जौनपुर, सोमवार 10 जुलाई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

जनता का पारा चढ़ने पर सत्ता की गर्मी उतरते देर नहीं लगती :पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज स्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस पर शनिवार को निशाना साधते हुए उसे

''लूट की दुकान'' व ''झूठ का बाजार'' बताया और तंज कसते हुए कहा कि ''जब जनता का पारा चढ़ता है तो सत्ता की गर्मी उतरते व सत्ता बदलते वक्त नहीं लगता।'' बीकानेर के पास नौरंगदेसर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ''राज्य की कांग्रेस नीत सरकार ने बीते चार साल में राजस्थान का बहुत नुकसान किया है और अगले विधानसभा चुनाव में अपनी संभावित हार को देखते हुए वह अभी से 'बाय बाय मोड (अलविदा की मुद्रा)' में आ गई है।'' कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा, ''राजस्थान में जब से कांग्रेस सत्ता में आई है इसने भ्रष्टाचार, अपराध और तुष्टिकरण के क्षेत्र में एक नयी पहचान बनाई है।''उन्होंने कहा कि महिला अपराध व बलात्कार में राजस्थान सबसे आगे है ऐसे में यहां की कांग्रेस सरकार का जाना तय है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जो सत्ता में रहती तो खा–खा कर देश को खोखला करती और जब इसके नेता बाहर जाते हैं तो देश को गाली देकर बदनाम करते हैं।'' उन्होंने विदेश यात्रा के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के बयानों के संदर्भ में यह टिप्पणी की। मोदी ने कहा कि कांग्रेस राजनीति के लिए देश का अपमान करने और देश को नुकसान पहुंचाने से कभी नहीं चूकती जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोग देश के लिए अपना सब कुछ त्यागने से नहीं चूकते, चाहे वह पद हो या प्रतिष्ठा। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में भ्रष्टाचार, पेपरलीक, महिला अपराध के लिए गहलोत सरकार पर निशाना साधा और कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान पर घेरा। उन्होंने लोगों से विकास के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में राजस्थान में डबल इंजन सरकार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान को स्थिर सरकार, डबल इंजन की सरकार चाहिए। सभा में मौजूद लोगों के उत्साह की ओर इशारा करते हुए मोदी ने कहा यह उत्साह बताता है कि राजस्थान में मौसम का पारा ही नहीं चढ़ा है बल्कि कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता का पारा भी चढ़ चुका है और ''जब जनता का पारा चढ़ता है तो सत्ता की गर्मी उतरते व सत्ता बदलते वक्त नहीं लगता।'' उन्होंने कहा, ''राजस्थान में कांग्रेस की हार इतनी सुनिश्चित है कि यहां की सरकार अभी से बॉय–बॉय मोड में आ गई है।'' उन्होंने दावा किया कि राज्य के कुछ मंत्री–विधायक तो अभी से अपने सरकारी बंगले खाली कर अपने निजी मकानों में जाने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अपनी हार का इतना भरोसा तो सिर्फ राज स्थान के कांग्रेस नेता ही कर सकते हैं। मोदी ने कहा कि पुरानी कहावत है कि दीया बुझने से पहले जोर से लपलपाता है, अपनी हार के डर से कांग्रेस भी ऐसा ही कर रही है। उन्होंने कहा कि वह राजस्थान के लोगों को गुमराह करने पर उतर आई है ''लेकिन आपको याद रखना है कि कांग्रेस का एक ही मतलब है.. लूट की दुकान, झूठ का बाजार।'' कांग्रेस के हालिया वादों को उनके लूट का इरादा और झूठा का पिटारा बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की झूठ व छलावे की राजनीति का सबसे अधिक शिकार राजस्थान का किसान हुआ है। हालांकि, मोदी ने राज्य सरकार की किसी भी मौजूदा योजना का उल्लेख नहीं किया लेकिन किसानों की ऋण माफी के संबंध में 2018 विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए कांग्रेस के वादे की ओर इशारा किया।

उत्तराखंड में वर्षा जनित घटनाओं में आठ लोगों की मौत, प्रशासन को चौकस रहने के निर्देश

एजेंसी

उत्तराखंड। उत्तराखंड में भारी बारिश के दौरान रविवार को भूस्खलन के कारण वाहन दुर्घटना और मकान गिरने की घटनाओं में आठ लोगों की मृत्यु हो गयी तथा छह अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। खराब मौसम के मद्देनजर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रशासन को चौकस रहने के निर्देश देते हुए लोगों को अनावश्यक आवागमन से बचने को कहा है। कई स्थानों पर भूस्खलन होने से मार्ग बंद हो गए हैं जिससे आम जन–जीवन के प्रभावित होने के साथ ही चारधाम यात्रा में भी रूकावट आ रही है। लगातार बारिश के कारण गंगा सहित प्रदेश की प्रमुख नदियों का जलस्तर भी बढ़ गया है।टिहरी गढ़वाल जिले के मुनि की रेती क्षेत्र में तड़के केदारनाथ से लौट रही एक जीप भूस्खलन की चपेट में आकर अनियंत्रित होकर गंगा नदी में जा गिरी जिससे उसमें सवार छह श्रद्धालु डूब गए। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के निरीक्षक कवींद्र सजवाण ने बताया कि गोताखोरों की मदद से हादसे का शिकार हुए तीन श्रद्धालुओं के शव बरामद किए जा चुके हैं जबकि अन्य तीन की खोज के लिए अभियान चलाया जा रहा है।मुनि की रेती पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक रितेश साह ने बताया कि ऋषिकेश –बदरी नाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुलर के पास

मालकुंती पुल और होटल आनंद काशी के बीच हुई दुर्घटना के समय जीप में चालक समेत 11 लोग सवार थे। जीप ऋषिकेश जा रही थी। साह ने बताया कि जीप में सवार पांच अन्य यात्रियों को बचा लिया गया। उन्हें ऋषिकेश के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना का शिकार हुए लोग दिल्ली, बिहार तथा हैदराबाद के रहने वाले थे।एक अन्य घटना में, अतिवृष्टि के कारण उधम सिंह नगर जिले के काशीपुर क्षेत्र के मिस्सरवाला गांव में दो मकान गिर गए जिससे उनमें से एक में रह रहे एक दंपति की मौत हो गयी तथा उनकी पोती घायल हो गयी। उत्तरा खंड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, मृतकों की पहचान नसीर अहमद (65) और उनकी पत्नी मोहम्मदी (60) के रूप में हुई है। घटना में दंपति की पोती मंतसा (18) घायल हो गयी है जिसे अस्प ताल में भर्ती कराया गया है। प्रदेश में लगातार बारिश होने से नदियों काजलस्तर बढ़ने के मद्देनजर आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत कुमार सिन्हा ने जिलाधिकारियों को सतर्क रहने और पर्याप्त सावधानियां बरतने के निर्देश दिए हैं। इन निर्देशों में उन्हें 'हाई अलर्ट' पर रहने, नदियों के जलस्तर की सतत निगरानी करने, किसी भी अधिकारी को अपना मोबाइल फोन स्विच ऑफ नहीं करने तथा भारी वर्षा की चेतावनियों के दौरान उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटकों को आवागमन की अनुमति न देना शामिल है। उत्तराखंड पुलिस ने भी ट्वीट कर हरिद्वार में गंगा के जलस्तर में हो रही वृद्धि को देखते हुए कांवड़ियों से सतर्कता बरतने को कहा है।

पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव को लेकर विरोध–प्रदर्शन हिंसक हुआ

एजेंसी

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में पंचायत चुनाव के दौरान हुई हिंसा और अनियमितताओं के आरोपों के खिलाफ रविवार को विरोध–प्रदर्शन हुए। पूर्व मेदिनीपुर जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने नंदकुमार में हल्दिया– मेचेदा राज्य राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया और आरोप लगाया कि श्रीकृष्णपुर हाई स्कूल में मतगणना केंद्र पर मतपे टियों के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। तमलुक में भाजपा की युवा शाखा के नेता तमस डिंडा ने कहा, ''हमें तड़के तीन बजे सूचना मिली कि मतपेटियां बदली जा रही हैं। हम केंद्रीय बलों की सुरक्षा में क्षेत्र के सभी मतदान केंद्र पर पुनर्मतदान के अलावा मतदान केंद्रों पर ही मतों की गिनती कराने की मांग कर रहे हैं।'' नंदकुमार थाने के प्रभारी अधिकारी मनोज कुमार झा ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि मामला बढ़ने पर पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। शनिवार को मतदान के दौरान हुई हिंसा के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मालदा के रथबाड़ी इलाके में राष्ट्रीय राजमाग –12 को अवरुद्ध कर दिया। कांग्रेस के नेता एवं सांसद अबू हासेम खान चौधरी ने कहा, ''शनिवार को हुई हिंसा के विरोध में हम सड़कों पर उतरे हैं। हम इसके खिलाफ अदालत भी जाएंगे।'' मालदा के हरिश्चंद्रपुर इलाके के बस्ता गांव में शनिवार रात करीब 10 बजे कुछ बदमाशों ने राज्य मंत्री तजमुल हुसैन की कार में तोड़फोड़ की। पथराव के दौरान एक पुलिस वाहन में भी तोड़फोड़ की गई। हमले में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि ऐसा संदेह है कि इस घटना के पीछे बिहार के बदमाशों का हाथ है और जांच जारी है। उत्तर दिनाजपुर में दो कार में आग लगा दी गई और एक सरकारी बस सहित कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई, जिससे चा कुलिया थाना क्षेत्र में विरोध– प्रदर्शन हिंसक हो गया।घटना सुबह रामपुर –चाकुलिया रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग –31 पर हुई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि वे डराने –धमकाने के कारण मतदान के दौरान वोट नहीं डाल पाए और प्रशासन से बार–बार अपील करने का भी कोई फायदा नहीं हुआ। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में इसी तरह का विरोध– प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया गया कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएम सी) के समर्थक मतदाताओं को डराने– धमकाने और चुनाव के दौरान फर्जी मतदान कराने में शामिल थे। उत्तर–24 परगना के अमदंगा में आईएसएफ (इंडियन सेक्युलर फ्रंट) और तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों के बीच झड़प की खबर है।

अमित शाह ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से की बात, भारी बारिश के बाद हालात का लिया जायजा

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में इन दिनों बादल आफत बनकर बरस रहे है। भारी बारिश के कारण दिल्ली में जगह जगह जलजमाव की स्थिति हो गई है। भारी बारिश ने पूरे सिस्टम की पोल खोल दी है। हर जगह पानी भरा हुआ दिख रहा है। दिल्ली की सड़कों से लेकर गलियों तक में पानी भरा हुआ है। दिल्ली में आसमान से बरस रही इस आफत के कारण हाहाकार मचा हुआ है। दिल्ली में लगातार दूसरे दिन भीषण बारिश हो रही है। जोरदार बारिश के कारण हर तरफ पानी पानी दिख रहा है। इसी बीच गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से बात की है। गौरतलब है कि भारी बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों और आसपास के इलाकों में पानी भर गया है।मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि दिल्ली अगले दो दिनों तक बादल ऐसे ही बरसते रहेंगे। एएनआई के मुताबिक दिल्ली में शनिवार और रविवार को हुई भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जल जमाव की स्थिति

हो गई है। प्रगति मैदान, नेहरू नगर, पंचशील मार्ग, कालकाजी, आईटीओ जैसे इलाकों में पानी भरा रहा। पानी भरने के कारण यहां हैवी ट्रैफिक जाम की स्थिति देखने को मिली। गौरतलब है कि दिल्ली में भारी बारिश ने 41 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दिल्ली में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में 153 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई, जो 1982 के बाद से जुलाई में एक दिन में हुई सर्वाधिक बारिश है। मौसम विभाग ने यह जान कारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ और मानसूनी हवाओं के कारण उत्तर–पश्चिम भारत में मूसलाधार बारिश और दिल्ली में मौसम की पहली भारी बारिश हुई है। आईएमडी के एक अधिकारी ने बताया कि सफदरजंग वेधशाला में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे में 153 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 25 जुलाई 1982 को एक दिन में दर्ज की गई 169.9 मिमी बारिश के बाद से सर्वाधिक है। अधिकारी के मुताबिक, शहर में 10 जुलाई 2003 को 133.4 मिमी, 28 जुलाई 2009 को 126 मिमी और आठ जुलाई 1993 को 125.7 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। 21 जुलाई 1958 को यहां अब तक की सर्वाधिक 266.2 मिमी बारिश हुई थी। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में 1969 के बाद से जुलाई में आठ बार 'बहुत भारी' (15.6 मिमी से 204.4 मिमी के बीच) बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिल्ली में मध्यम बारिश होने का पूर्वानुमान करते हुए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। रिज, लोधी रोड और दिल्ली विश्वविद्यालय के मौसम केंद्रों पर क्रमशः 134.5 मिमी, 123.4 मिमी और 118 मिमी बारिश दर्ज की गई ।इसके अनुसार, 15 मिमी से कम बारिश 'हल्की', 15 मिमी से 64.5 मिमी 'मध्यम', 64.5 मिमी से 115.5 मिमी 'भारी' और 115.6 मिमी से 204.4 मिमी 'बहुत भारी' बारिश की श्रेणी में आती है। वहीं, 204.4 मिमी से अधिक बारिश दर्ज होने पर इसे 'अत्यधिक भारी' बारिश की श्रेणी में रखा जाता है। दिल्ली में जुलाई में अभी तक 164 मिमी बारिश हुई है।

राजस्थान आवासन मंडल में 311 पदों पर होंगी भर्तियां

एजेंसी

जयपुर । प्रदेश के युवाओं के लिए राजस्थान आवासन मंडल विभिन्न संवर्गों के 311 पदों के लिए जल्द ही भर्ती निकालेगा। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि मंडल में कई दशकों के बाद इतनी बड़ी भर्ती का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह मंडल ने भवन निर्माण सहित अन्य क्षेत्रों में कीर्तिमान कायम किए हैं उसी तरह पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ परीक्षा संचालित होंगी। अरोड़ा ने बताया कि इसके तहत प्रोग्रामर पद के लिए 1, परियोजना अभियन्ता (वरिष्ठ) (सिविल) के 48 और नगर नियोजन सहायक या वास्तुविद् सहायक के 4 राजपत्रित पदों के लिए (कनिष्ठ विधि अधिकारी) 9, कनिष्ठ लेखाकार के 50 और कनिष्ठ सहायक के 50 अराजपत्रित पदों के लिए सी डैक भर्ती कराएगा।

सोनभद्र में दलित युवक को पीटने व चप्पल चटवाने के आरोप में विद्युत कर्मी गिरफ्तार:पुलिस

एजेंसी

सोनभद्र ।उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में विद्युत विभाग के एक संविदा कर्मी को दलित युवक के साथ मारपीट करने तथा उससे अपनी चप्पल चटवाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी ।घटना का वीडियो सार्वजनिक होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। युवक राजेंद्र ने आठ जुलाई को पुलिस में इस मामले में शिकायत दर्ज कराई और उसने बताया कि वह अनुसूचित जाति (एससी) से नाता रखता है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, '' गत छह जुलाई को वह अपने मामा के यहां गया हुआ था, जिनके यहां बिजली नहीं आ रही थी। वह समस्या का पता लगाने की कोशिश कर रहा था, तभी शाहगंज पावर हाउस पर तैनात संविदा कर्मचारी तेजबली सिंह पटेल ने उसे अपशब्द कहने शुरू कर दिए ।'पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अमित कुमार ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की धारा 323 (जानबूझकर स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 504 तथा 506 (आपराधिक धमकी) और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निरोधक) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

यह देखने का इंतजार कर रहा हूं कि भाजपा अपनी नयी 'टोली' को कैसे संभालती है :उद्धव ठाकरे

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में अजित पवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के कुछ अन्य विधायकों के पार्टी से बगावत करने तथा एकनाथ शिंदे नीत सरकार में शामिल होने के एक सप्ताह बाद शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि वह यह देखने का इंतजार कर रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपनी 'नयी टोली' को कैसे संभालती है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत शिवसेना के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिकाओं के मुद्दे पर उद्धव ने कहा कि राज्य विधानसभा अध्यक्ष को एक तय रूपरेखा के भीतर इस पर फैसला

लेना होगा। उन्होंने महाराष्ट्र में विदर्भ क्षेत्र का दो दिवसीय दौरा शुरू करने के बाद नागपुर में पत्रकारों से कहा, ''अगर विधानसभा अध्यक्ष इसे दर किनार कर भी दें, तो उच्चतम न्यायालय के दरवाजे हमारे लिए हमेशा खुले हैं।'' जून 2022 में शिंदे की अगुवाई में विधायकों की बगावत के कारण उद्धव के नेतृत्व वाली महा विकास आघ ाडी (एमवीए) सरकार गिर गई थी और शिवसेना दो धड़ों में बंट गई थी। बाद में शिंदे भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए थे। इस साल दो जुलाई को राकांपा में अजित पवार के नेतृत्व में बगावत हुई और वह उपमुख्यमंत्री के रूप में शिंदे सरकार में शामिल हो गए। राकांपा के आठ अन्य विधायकों ने शिंदे सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। सत्तारूढ़ भाजपा के बारे में उद्धव ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि भाजपा इस बारे में कुछ कहने के लायक है। उसके पास हमें भाषण देने का कोई अधिकार नहीं है। मैं सिर्फ यह देखने का इंतजार कर रहा हूं कि भाजपा अपनी नयी टोली को कैसे संभालती है।'' महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने शनिवार को कहा था कि शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के 40 विधायकों और उद्धव गुट के 14 विधायकों को नोटिस जारी कर उनके खिलाफ अयोग्यता की याचिकाओं पर जवाब मांगा गया है। शिवसेना के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर उद्धव ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को पहले ही एक रूपरेखा दी है। उन्होंने कहा, ''अध्यक्ष को तय रूपरेखा के भीतर ही अयोग्यता के मुद्दे पर फैसला लेना होगा। अगर वह इसे नजरअंदाज करते हैं, तो उच्चतम न्यायालय के दरवाजे हमारे लिए हमेशा खुले हैं।'' शिवसेना (यूबीटी) ने हाल में उच्चतम न्यायालय का रुख करते हुए विधानसभा अध्यक्ष को यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि वह अयोग्यता की याचिकाओं पर तेजी से सुनवाई करें।

भाजपा प्रमुख नड्डा ने हैदराबाद में क्षेत्रीय सलाहकार बैठक की अध्यक्षता की

एजेंसी

हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रविवार को यहां दक्षिणी और कुछ अन्य राज्यों के वरिष्ठ पार्टी नेताओं की एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों और अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। हैदराबाद में भाजपा के तेलंगाना मुख्यालय में आया ेजित क्षेत्रीय सलाहकार बैठक में पार्टी महासचिव बी एल संतोष और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ– साथ पार्टी के सांसद व विधायक और राज्य इकाइयों के अध्यक्ष सहित अन्य लोग शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री एवं तेलंगाना में भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने ट्वीट किया, ''जे पी नड्डा आज हैदराबाद में 12 राज्यों के भाजपा अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करेंगे।'' इससे पहले, रेड्डी ने यहां बेगम पेट हवाई अड्डे पर नड्डा के आगमन पर उनका स्वागत किया था। रेड्डी ने हाल ही में दक्षिणी राज्यों में पार्टी को मजबूत करने के लिए एक कार्य योजना बनाई है, जिस पर दिनभर की बैठक में चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि बैठक में इस साल के अंत में तेलंगाना में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी बात की जाएगी।

राजस्थान में कांग्रेस–बीजेपी के सामने मुसीबत, पार्टियों के पास नहीं कोई सीएम चेहरा, कार्यकर्ता असमंजस में

एजेंसी

राजस्थान। राजस्थान में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने है। इन चुनावों को लेकर राजस्थान में बीजेपी और कांग्रेस पार्टी ने पूरी तैयारियां शुरू कर दी है। राजस्थान में अब कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही पार्टियों मे बैठकों का दौर चलने लगा है।

कांग्रेस ने इस सिलसिले में दिल्ली में बैठक की है। इस संबध में दिल्ली में हुई बैठक के बाद कांग्रेस ने ऐलान कर दिया है कि इस बार कांग्रेस पार्टी विधानसभा चुनाव में बिना किसी मुख्यमंत्री के चेहरे के उतरेगी। गौरतलब है कि कांग्रेस की तरफ से आई ये घोषणा काफी चौंकाने वाली है, क्योंकि वर्तमान सीएम अशोक गहलोत पार्टी की वापसी सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जबकि सचिन पायलट के नेतृत्व वाले खेमे को उम्मीद थी कि पार्टी सचिन पायलट को मुख्यमंत्री चेहरा बनाकर पेश करेगी ।पार्टी आलाकमान के एक बयान के आने के बाद दोनों नेताओं के खेमों की बोलती बंद हो गई है। कई नेताओं ने दावा किया है कि आलाकमान का ये कदम पायलट खेमे की जीत है, क्योंकि परोक्ष रूप से यह गहलोत के लिए फिलहाल चुप रहने का संदेश है। पार्टी नेताओं का कहना है कि सरकार में पार्टी नेताओं को मुख्यमंत्री के नेतृत्व पर भरोसा होना चाहिए। अगर आगामी चुनावों के लिए वर्तमान मुख्यमंत्री को ही दोबारा चेहरा बनाकर पेश नहीं किया जा रहा है तो ये सोचने का विषय है। इसका सीधा अर्थ है कि पार्टी में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रदर्शन को लेकर कई तरह की शंकाएं है।

अंतरिक्ष क्षेत्र के आधुनिक बाजार और वैश्विक साझेदारी की संभावनाएं तलाश रहे हैं भारतीय स्टार्टअप

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरिक्ष में अपनी कक्षा में चक्कर लगा रहे उपग्रहों में फिर से ईंधन भरने से लेकर पृथ्वी की सेहत पर नजर रखने तक, भारत के स्टार्टअप इस महत्वपूर्ण बाजार में अपनी संभावनाएं तलाश रहे हैं और इसे वैश्विक स्तर पर साझेदारी के अवसर के रूप में देख रहे हैं। अंतरिक्ष क्षेत्र की कंपनियों का मानना है कि भारत के 'आर्टेमिस संधि' पर हस्ताक्षर करने और प्रधा नमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान अंतरिक्ष क्षेत्र, खास तौर से निर्यात पर नियंत्रण और प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के मुद्दों की जुड़ी समस्याओं के समाधान पर जोर दिये जाने के बाद निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए अंतरिक्ष के क्षेत्र में अवसर उपलब्ध होंगे। भारत ने 2020 में अंतरिक्ष क्षेत्र के अपने बाजार को निजी क्षेत्र के लिए खोला था, जिसके बाद से 150 स्टार्टअप स्थापित हुए हैं जो रॉकेट और उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष यात्रियों के लिए प्रशिक्षण सुविधाएं मुहैया कराने और अंतरिक्ष पर्यटन की संभावनाएं तलाशने का कार्य कर रहे हैं। मनस्तु स्पेस के सह– संस्थापक तुषार जाधव ने पीटीआई–से कहा, ''यह अच्छी शुरुआत है क्योंकि 10–15 साल पहले तक अमेरिका द्वारा अंतरिक्ष या रक्षा क्षेत्र की प्रौद्योगिकी साझा किया जाना अनसुनी बात थी। अब हम इन क्षेत्रों में साथ मिलकर काम करने की बात कर रहे हैं।'' मुंबई की कंपनी मनस्तु उपग्रहों के लिए हरित (पर्यावरण हितैषी) प्रणोदन प्रणाली विकसित करने पर काम कर रही है और अगले साल परीक्षण कर इस तकनीक को मान्यता दिलाना चाहती है। कंपनी अंतरिक्ष में एक ईंधन केन्द्र भी डिजाइन कर रही है ताकि कक्षा में चक्कर लगाने के दौरान ही उपग्रहों में ईंधन भरा जा सके। फिलहाल उपग्रह का ईंधन समाप्त हो जाने के बाद वह उपयोग से बाहर हो जाता है।

सम्पादकीय

मानवीय भूल का कारण

क्या सिग्लन सिस्टम और दूरसंचार की व्यवस्था आधुनिक मानदंडों पर खरी थी और इससे बावजूद मानवीय भूल हुई? और क्या ऐसी संवेदनशील ड्यूटी निभाने के लिए मानव को जो उचित परिस्थितियां मिलनी चाहिए, वह वहां मौजूद होने के बावजूद ये हादसा हुआ?ओडिशा के बालासोर में पिछले दो जून को हुई भीषण ट्रेन दुर्घटना के बारे रेल सुरक्षा आयुक्त की जांच इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि यह हादसा ष्मानवीय भूलष के कारण हुई। इस भूल के लिए सिग्नल और दूरसंचार विभाग दोषी था। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच रिपोर्ट रेल मंत्री को सौंप दी गई है, लेकिन सरकार ने अभी इसे स्वीकार नहीं किया है। इस जांच का एक मतलब यह है कि हादसे के पीछे तोडफ़ोड़ का अंदेशा खारिज हो जाता है। इसी अंदेशे के कारण यह जांच सीबीआई को भी सौंपी गई थी। बहरहाल, जितनी सूचनाएं सामने आई हैं, उनसे इस पर रोशनी नहीं पड़ती कि मानवीय भूल का कारण क्या था? क्या सिग्लन सिस्टम और दूरसंचार की व्यवस्था आधुनिक मानदंडों पर खरी थी और इससे बावजूद यह भूल हुई? और क्या ऐसी संवेदनशील ड्यूटी निभाने के लिए मानव को जो उचित परिस्थितियां मिलनी चाहिए, वह वहां मौजूद होने के बावजूद यह हादसा हुआ? ये सवाल इसलिए अहम हैं, क्योंकि रेलवे में सुरक्षा संबंधी स्टाफ में भारी कमी और तकनीकी व्यवस्थाओं के कमजोर पडऩे की खबरें अक्सर आती रहती हैं। अक्सर ऐसी बुनियादी और ढांचागत समस्याएं मानवीय भूल की वजह बन जाती हैं। बालासोर में ऐसा हुआ या नहीं, यह कहने की स्थिति में हम नहीं हैं। बल्कि लोगों को अपेक्षा इस बात की है कि इस हादसे की होने वाली जांच में इस पूरी पृष्ठभूमि को खंगाला जाए। जिस हादसे में 291 जानें गईं और लगभग 900 लोग जख्मी हुए, उसे सिर्फ यह सोच कर नहीं भुलाया जा सकता कि किसी कर्मचारी की भूल से यह सब हो गया। या किसी एक कर्मचारी या एक विभाग के कर्मचारियों को दंडित करना भी पर्याप्त नहीं होगा। मुद्दा यह है कि भारतीय रेल की बुनियाद कमजोर पड़ती चली गई है। अगर उसे दुरुस्त नहीं किया गया, तो हादसों से बचना मुश्किल होगा। हकीकत यह है कि छोटे–मोटे हादसे आम तौर पर होते रहते हैं, जिन पर उनसे संबंधित लोगों के अलावा किसी और का ध्यान तक नहीं जाता। बालासोर दुर्घटना अपने भीषण रूप के कारण चर्चित हुई। तो यह मौका पूरे संदर्भ पर स्पॉटलाइट डालने का है।

संकट में पड़ी विपक्षी एकता,कलह और टूट-फूट का शिकार होते ही हैं परिवारवादी दल

संजय गुप्त

महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के बीच मनमुटाव की जो खबरें आ रही थीं, वे तब सच साबित हुईं, जब अजीत ने अधिकांश विधायकों के साथ विद्रोह कर दिया और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार से जा मिले। जहां अजीत पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, वहीं राकांपा के आठ विधायकों ने मंत्री पद की। अजीत पवार चुप नहीं बैठेंगे, यह उसी समय तय हो गया था, जब शरद पवार ने उनकी अनदेखी कर बेटी सुप्रिया सुले को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया था। हालांकि पार्टी में बगावत के बाद शरद पवार कह रहे हैं कि वह अपनी पार्टी को फिर से खड़ा करेंगे, लेकिन फिलहाल ऐसा मुश्किल लगता है, क्योंकि कई वरिष्ठ नेता अजीत पवार के साथ हैं। इनमें प्रफुल्ल पटेल भी हैं, जो सुप्रिया के साथ कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए थे। पटेल शरद पवार के विश्वासपात्र और उनके दाहिने हाथ माने जाते थे, लेकिन उन्होंने भी अजीत पवार का साथ देना पसंद किया। राकांपा में टूट से एक बार फिर यह साबित हुआ कि परिवारवादी दल कलह और टूट–फूट का शिकार होते ही रहते हैं। यह कोई पहली बार नहीं, जब किसी परिवारवादी दल में टूट हुई हो। ऐसे दलों में ऐसा होता ही रहता है। तेलुगु देशम पार्टी और शिवसेना में टूट हो चुकी है। इसके अलावा डीएमके, लोक जनशक्ति पार्टी और सपा पारिवारिक कलह का शिकार हुई हैं। राकांपा भी इसीलिए टूटी, क्योंकि शरद पवार ने भतीजे अजीत पवार के बजाय बेटी सुप्रिया को महत्व दिया और वह भी इसके बाद कि अजीत कहीं अधिक प्रभावी नेता हैं। परिवारवादी दलों में आम तौर पर टूट–फूट और कलह इसलिए होती है,क्योंकि दल विशेष का मुखिया अपने बेटे या बेटी को ही प्राथमिकता देता है। इस क्रम में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ वरिष्ठ नेताओं की भी उपेक्षा होती है और इससे ही असंतोष उपजता है, जो प्रायः टूट का कारण बनता है। अजीत पवार ने इसके पहले भी शरद पवार से बगावत की थी। 2019 में उन्होंने तब भाजपा की सरकार में अचानक उपमुख्यमंत्री की शपथ ले ली थी, जब महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन चल रहा था। तब वह 80 घंटे बाद ही वापस राकांपा में लौट गए थे और उनके साथ मुख्यमंत्री की शपथ लेने वाले देवेंद्र फडणवीस को इस्तीफा देना पड़ा था। कहा जाता है कि तब अजीत पवार को भाजपा के पाले में भेजना शरद पवार की एक चाल थी। सच जो भी हो, इस घटनाक्रम से भाजपा की अच्छी–खासी किरकिरी हुई थी। इसी घटनाक्रम के कुछ समय बाद शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस ने मिल कर सरकार बनाई। यह सरकार शिवसेना के एकनाथ शिंदे की बगावत के चलते गिर गई थी। अजीत पवार की मानें तो राकांपा के अधिकांश विधायक पहले से ही इस मत के थे कि भाजपा के साथ सरकार में शामिल हुआ जाए, लेकिन शरद पवार के आगे उनकी एक नहीं चली। बाद में राकांपा और कांग्रेस ने अपनी धुर विरोधी शिवसेना से हाथ मिलाकर महावि कास आघाड़ी का गठन किया और सत्ता में आए। इस सरकार के गिरने के बाद शिवसेना और कांग्रेस के साथ राकांपा के विधायक भी सत्ता से वंचित हो गए। हो सकता है कि अजीत पवार इस बार इसलिए ज्यादा तर विधायकों को अपने साथ लेने में सफल रहे, क्योंकि उनमें से अनेक बड़े कारोबारी हैं और उन्हें सत्ता का साथ–संरक्षण तमाम सहूलि यत देता है। अपनी पार्टी में बगावत के बाद शरद पवार भले ही खुद को असली राकांपा बता रहे हों, लेकिन फिलहाल अजीत पवार का पलड़ा भारी लग रहा है। पार्टी पर कब्जे को लेकर चाचा–भतीजे के बीच की कानूनी लड़ाई का नतीजा जो भी हो, देवेंद्र फडणवीस ने अजीत पवार के साथ मिकलर शरद पवार को उनके ही खेल में मात दे दी। एक तरह से वही असली चाणक्य साबित हुए। अजीत पवार और एनसीपी के विधाय कों को भाजपा की तरफ मोड़ने में फडणवीस की बहुत महत्व्वपूर्ण भूमिका रही। राकांपा में बगावत के बाद फडणवीस महाराष्ष्ट्र की राज नीति में एक सशक्ध्त राजनीतिज्ञ के रुप में उभर आए हैं। वह हैं तो उप मुख्य मंत्री, लेकिन महाराष्ट्र के सबसे कद्दावर नेता बन गए हैं। शरद पवार को एक ऐसे समय झटका लगा है, जब वह कांग्रेस को साथ लेकर विपक्षी एकता की पहल करने में लगे हुए थे। हैरानी नहीं कि इस विपक्षी एकता के जरिये वह प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे हों, क्योंकि विपक्ष के नेताओं में वह सबसे अनुभवी और वरिष्ठ हैं। वह विपक्षी दलों की पटना बैठक में शामिल हुए थे। उनके साथ प्रफुल्ल पटेल भी थे। साफ है कि प्रफुल्ल पटेल दिखावे के लिए पटना की बैठक में उपस्थित थे। उनके अजीत पवार के साथ चले जाने से शरद पवार कहीं अधिक कमजोर हो गए हैं। वास्तव में महार ाष्ट्र में पूरा विपक्षी मोर्चा ही कमजोर हो गया है। पहले शिवसेना में विभाजन में हुआ और अब राकांपा में। महाराष्ट्र कांग्रेस में भी जनाधार वाले नेता या तो उपेक्षित हैं या फिर निष्क्रिय। महाराष्ट्र में भले ही सरकार का नेतृत्व शिंदे गुट वाली शिवसेना के एकनाथ शिंदे कर रहे हों, लेकिन अब भाजपा की उस पर निर्भरता कम हो गई है। शायद इसी कारण उसके नेताओं में बेचौनी दिख रही है। महाराष्ट्र में भाजपा यकायक सबसे सशक्त नजर आने लगी है। अब उसके साथ शिंदे गुट वाली शिवसेना भी है और अजीत पवार वाली राकांपा भी।यदि ये तीनों दिल मिलकर लोक सभा चुनाव लड़ते हैं तो भाजपा सबसे अधिक फायदे में रह सकती है। ध्यान रहे लोकसभा चुनाव की दृष्टि से महा राष्ट्र उत्तर प्रदेश के बाद सबसे महत्वपूर्ण प्रदेश है।यहां लोक सभा की 48 सीटें हैं। भाजपा यही चाहेगी कि वह और उसके सह योगी दल ज्यादा से ज्यादा से लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करें। आज के दिन उसका यह लक्ष्य आसान दिख रहा है। महाराष्ट्र में राकांपा को जो आघात लगा, उसका असर विपक्षी एकता पर भी पड़ेगा। विपक्षी दलों की बेंगलुरु में जो बैठक होने जा रही है, उसमें महाराष्ट्र का राज नीतिक घटनाक्रम छाया रहे तो हैरानी नहीं। विपक्षी दल जो भी दावा करें, उनका एकजुट होकर भाजपा को चुनौती देना कठिन होता दिख रहा है।

संगठन में हर जगह मजबूरी

हरिशंकर व्यास

भाजपा न केवल चुनावी एजेंडे को लेकर दुविधा में है बल्किवह यह भी नहीं बूझ पा रही है कि कौन सा मुद्दा क्लिक करेगा? पार्टी संगठन को लेकर भी संशय में है। हर जगह पार्टी मजबूरी में समझौता कर रही है।सोचें, कर्नाटक में विधानसभा चुनाव हारने के बाद भाजपा के प्रदेश नेताओं की पहली बैठक में यह मुद्दा उठा था कि पार्टी ने बहुत समझौते किए। अलग–अलग समूहों की तुष्टिकरण के हिसाब से टिकट बांटे इसलिए पार्टी हारी। इसके बावजूद पार्टी की मजबूरी है कि वह तुष्टिकरण की नीति नहीं छोड़ पा रही है। सभी राज्यों में भाजपा मजबूरी में समझौते कर रही है। राज्यों में मजबूरी के अध्यक्ष बनाए जा रहे हैं। बाहर से आए नेताओं को प्रदेश की कमान दी जा रही है। भाजपा ने झारखंड में बाबूलाल मरांडी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। दिसंबर 2019 का विधानस भा चुनाव हारने के बाद भाजपा ने उनकी पार्टी झारखंड विकास मोर्चा का विलय अपनी पार्टी में कराया था। कोई 13 साल बाद मरांडी की घर वापसी हुई थी। तब पार्टी ने उनको विधायक दल का नेता बनाया लेकिन साढ़े तीन साल में उनको नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं मिला। उनकी पार्टी के बाकी दो विधायक कांग्रेस में चले गए हैं और उनकी शिकायत पर मरांडी की सदस्यता का मामला अटका है, जिस पर स्पी कर को फैसला करना है। जब वे नेता विपक्ष नहीं बन पाए तो अब उनको प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। मरांडी को झारखंड की कमान देने की दो मजबूरी है। पहली तो यह कि देश भर से यह मैसेज है कि आदि वासी भाजपा से नाराज हैं। कर्नाटक में भाजपा एक भी आदिवासी सीट नहीं जीत पाई। अब छत्तीसगढ़ में चुनाव है, जहां 27 फीसदी आदिवासी हैं और मध्य प्रदेश में भी 14 फीसदी आदिवासी हैं। दूसरी मजबूरी यह है कि झारखंड में पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा एसटी के लिए आरक्षित 28 में से सिर्फ दो सीट जीत पाई थी। पिछले साढ़े तीन साल में आदिवासी नेता के तौर पर हेमंत सोरेन स्थापित हुए हैं। तभी भाजपा ने 2014 में जो गैर आदिवासी राजनीति करने का रास्ता चुना था उसको छोड़ कर अब वह मजबूरी में आदि वासी राजनीति पर लौटी। कर्ना टक में भारतीय जनता पार्टी अभी तक न विधायक दल का नेता चुन पाई और न प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त हुआ। भाजपा ने कई बार की बैठकों के बाद चार राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए। उसके साथ ही कर्नाटक में भी अध्यक्ष नियुक्त होना था। नलिन कुमार कतिल का कार्यकाल पिछले साल अगस्त में खत्म हो गया था और अब विस्तारित कार्यकाल भी खत्म हो रहा है। लेकिन बीएस येदियुरप्पा बनाम अन्य की लड़ाई में कोई फैसला नहीं हुआ। चुनाव के बाद विधानसभा का सत्र चालू हो गया लेकिन दो महीने में भाजपा विधायक दल का नेता नहीं चुन पाई। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई बनेंगे या कोई और इसका फैसला नहीं हो पाया।जिस राज्य में एडजस्टमेंट की राजनीति का सबसे ज्यादा विरोध हुआ वही पर समझौते के प्रयास चल रहे हैं। भाजपा ने पिछले तीन महीने में छह राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष बदले हैं, जिनमें से तीन राज्यों में दूसरी पार्टियों से आए नेत ाओं को पार्टी की कमान दी गई है। सोचें, एक समय था, जब राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की दीक्षा के बगैर संगठन में कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं मिलती थी लेकिन अब दूसरी पार्टियों से आकर एक साल के अंदर नेता प्रदेश अध्यक्ष बन रहे हैं। भाजपा ने पंजाब में सुनील जाखड़ को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है, जो पिछले ही साल कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए। अपनी हताशा में भाजपा सोच रही है कि जाखड़ जाट सिख और हिंदू दोनों वोट भाजपा को दिला देंगे। इसी तरह आंध्र प्रदेश में भाजपा ने डी पुरंदेश्वरी को अध्यक्ष बनाया है, जो दिवंगत एनटी रामाराव की बेटी हैं। वे पहले टीडीपी में थीं और वहां से कांग्रेस में गई थीं, जहां मन मोहन सिंह की सरकार में उनको मंत्री बनाया गया था। वे कांग्रेस छोड़ कर भाजपा मे गईं तो महासचिव बनीं और अब आंध्र प्रदेश का अध्यक्ष बनाया गया है। भाजपा को लग रहा है कि पुरंदेश्वरी अपने परिवार की पार्टी टीडीपी के साथ तालमेल में काम आएंगी। इससे पहले बिहार में सम्राट चौधरी को अध्यक्ष बनाया गया, जो पहले राजद में थे और फिर जदयू में चले गए थे। उनको अध्यक्ष बना कर भाजपा कुशवाहा और अन्य पिछड़ी जातियों का वोट जोडऩे की कोशिश कर रही है। अपने संगठन में इधर उधर से आए नेताओं को कमान देकर भाजपा चुनावी जीत का तानाबाना बना रही है और साथ ही दर्जनों छोटी छोटी पार्टियों से तालमेल करके एक एक सीट की रणनीति बना रही है। जितने सहयोगी साथ छोड़ कर चले गए थे सबको वापस लाने की कोशिश हो रही है। इसके लिए मंत्रिमंडल में जगह बनाई जा रही है ताकि उनके नेताओं को केंद्र सरकार में मंत्री बनाया जा सके। अकाली दल और टीडीपी जैसे पुराने सहयोगियों से फिर तालमेल किया जा रहा है। बिहार में जीतन राम मांझी, चिराग पासवान, उपेंद्र कुशवाहा आदि नेताओं से तालमेल हो रहा है। कर्नाटक में जेडीएस को साथ लाने की बात है। सोचें, पिछले ही साल जुलाई में पटना में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ऐलान किया था कि सारी प्रादेशिक पार्टियां खत्म हो जाएंगी। एक साल बाद अब भाजपा मजबूरी में सारी प्रादेशिक पार्टियों को संजीवनी देकर जिंदा कर रही है क्योंकि उसको लग रहा है कि 10 साल के राज के बाद सत्ता बचाए रखने के लिए उसे इनकी जरूरत है।

तो ट्विटर को थ्रेड्स खा जाएगा

श्रुति व्यास

थ्रेड्स – ये नाम है हमारी सोच को दुनिया से साझा करने के सबसे नए ज़रिये का।यह नया एप स्टाइलिश है, और अपने जैसे अन्य एप्स से ज़रा हटकर है। यह एप फेसबुक के मालिक मार्क जुकरबर्ग का है। ऐसा कहा जा रहा है कि यह एलन मस्क के ट्विटर को खत्म कर देगा। साथ ही यह हमारे दिमाग को खत्म करने वाला एप भी है। लेकिन इसकी चर्चा बाद में। जुकरबर्ग की कंपनी मेटा ने दस साल से भी अधिक समय पहले लोकप्रिय फोटो शेयरिंग एप इंस्टाग्राम पेश किया था। थ्रेड्स इसी की अगली कड़ी है।इन दिनों फेसबुक के मुका बले इंस्टाग्राम ज्यादा फैशन में है। जैसा कि आज के नौजवान कहते हैं,फेसबुक हमारे पिताओं और दादाओं के लिए है और इंस्टाग्राम हमारे लिए। बात एकदम सही है। अपने पहले दिन में ही थ्रेडस के यूजर्स की संख्या करोड़ों में जा पहुंची। इसे अपनाने वाले लोगों और कंपनियां में नेटफ्लिक्स, गोर्डन रेमसे, शकीरा और एचबीओ शामिल हैं। अभी–अभी खबर मिली है कि ओपरा विनफ्रे और दलाई लामा से भी इससे जुडऩे का आग्रह किया गया है। हैरानी इस बात की है कि ये पंक्तियां लिखे जाने तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इससे नहीं जुड़े हैं। आश्च र्यजनक है कि ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह इससे जुड़ चुके हैं। जहां तक मेरा सवाल है, इसमें शामिल होने वालों में मेरा नंबर 58,50,255वां है।मैं इस सोशल मीडिया एप से जुडऩे को मजबूर इसलिए हुई क्योंकि उसे लेकर हो रहे शोर–शराबे को नजर अंदाज करना असंभव था। साथ ही, उसके बारे में लिखने के लिए उसे अनुभव करना जरूरी था। और फिर ऐसी कोई भी चीज जो एलन मस्क के ट्विटर के खात्मे का दावा करे का अनुभव किया ही जाना चाहिए! मार्क जुकरबर्ग का थ्रेडस अपने सुनहरे दौर के पुराने ट्विटर जैसा है। यह साफ़–सुथरा और संयत है और (अभी तक) केवल चर्चा और पोस्टों तक सीमित है। जो कूल है उसे अपनाना तो ज़रूरी है ही क्योंकि उसे ही जनता पसंद करती है। नीले रंग की जगह काले ने ले ली है और चिडिय़ा जी जगह श्एट्य के निशान 6ञ्च8 ने। बाकी सब ट्विटर जैसा ही है। थ्रेडस में भी शब्दों में लिखे संदेश एक फीड में पोस्ट किए जाते हैं, जिसे स्क्राल किया जा सकता है और इस फीड में यूजर जिन्हें फालो करता है और जो यूजर को फालो करते हैं, पोस्टों का जवाब दे सकते हैं। एप पर वीडियो और फोटो भी पोस्ट किए जा सकते हैं। आप जिन्हें फालो कर रहे हैं उनकी लिस्ट अभी थ्रेड्स में नहीं दिखती और ना ही इसके ज़रिये वे आपको डीएम (डायरेक्ट मैसेज) भेज सकते हैं। लेकिन थ्रेडस पर पोस्ट 500 अक्षरों तक के हो सकते हैं। यह संख्या ट्विटर के यूजर्स के लिए 280 तक सीमित है। पांच मिनट तक के वीडियो भी पोस्ट किए जा सकते हैं और किसी भी पोस्ट को लिंक के ज़रिये से अन्य प्लेटफार्मों पर शेयर किया जा सकता है। चूंकि मेटा पहले से ही आनलाइन दुनिया पर छाया हुआ है, इसलिए थ्रेडस पर साइनअप करना बहुत आसान है। इसके लिए केवल आपका इंस्टाग्राम एकाउंट होना चाहिए और आप उसके जरिए ही थ्रेड पर लाग इन कर सकते हैं। आपका इंस्टाग्राम यूजर नेम ही चल जाएगा, आप जिनको फालो करते हैं उनकी सूची, आपका जीवन परिचय और आपकी फोटो भी आ जाएगी। इसलिए आपको सब कुछ जीरो से शुरू नहीं करना होगा बल्कि आप सीधे थ्रेड का उपयोग कर सकेंगे। जुकरबर्ग ने फेसबुक वाले अंकलों और आंटियों को यह सहूलियत नहीं दी है इसलिए आपको थ्रेड तक पहुंचने के लिए पहले इंस्ट ाग्राम से जुडऩा होगा। कई टेक्नो लॉजी कंपनियों ने हाल के महीनों में ट्विटर में उथल –पुथल का फायदा उठाने की कोशिश की है।और मेटा भी कई अन्य कंपनियों– ब्लूस्काई, मेस्टडोन, स्पिल, सब स्टेक नेट्स और कई और–की तरह किसी दौर के सबके चहेते लेकिन आज गोते खा रहे ट्विटर से आगे निकलने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं कि एलन मस्क के कब्जे में जाने के बाद से ट्विटर बर्बाद हो गया है। मस्क ने इसके अल्गोरिथम और अन्य फीचर्स के साथ छेड़छाड़ करके इसके यूजर्स को मिलने वाले अनुभव में बहुत बदलाव ला दिया हो।यह गैर– बराबरी को बढ़ावा देना वाला प्लेटफार्म बन गया है। और हाल में यूजर्स द्वारा पढ़े जा सकने वाले ट्वीटस की संख्या को अस्थायी रूप से सीमित कर दिया था, जिस पर बहुत गुस्सा है। ट्विटर वाकई तबाह हो गया है! थ्रेडस को मेटा के अकूत आर्थिक संसाधनों और इंस्टाग्राम यूजर्स की विशाल संख्या –जो दुनिया भर में 200 करोड़ से ज्यादा हैं– का फायदा मिलेगा। और प्रतिस्पर्धी के रूप में जुकरबर्ग को हल्के में नहीं लिया जा सकता। किस्मत भी उनके साथ है और यही कारण है कि वे केवल दूसरों की नक़ल कर अपना एक बड़ा व्यापारिक साम्राज्य खड़ा कर पाए हैं। थ्रेड्स एकदम ट्विटर जैसा है।इसमें कोई नयापन या नया फीचर नहीं है। जैसे रील्स, टिक– टाक से मिलता–जुलता था और फेसबुक मैसेंजर, स्नेपचौट जैसा था। लेकिन थ्रेडस इसलिए सफल हो सकता है क्योंकि लोग एलेन मस्क और उनके दक्षिण ापंथ और दक्षिणपंथी नेताओं कीतरफ झुकाव और गंवार जोकर जैसे रंग–ढंग से तंग आ चुके हैं। जहां तक हमारा सवाल है, स्क्रीन को स्क्रॉल करते–करते हमारे दिमाग थक जाते हैं और हमारी उंगलियां सुन्न हो जाती हैं। या शायद हम रील्स और पोस्ट बनाते–बनाते तंग आ चुके हैं जो वास्तविक जीवन का एक मुखौटा भर हैं। या जब तक हमें यह एहसास नहीं हो जाता कि हम 21वी सदी के अनाड़ी लंगूर बन गए हैं।जब तक ऐसा नहीं होता, हम एक–दूसरे से थ्रेडस, इंटाग्राम, फेस बुक, ट्विटर और व्हाटसएप पर मिलेंगे,असहमत होंगे और ट्रोल करेंगे।

बंगाल को बचाओ चुनावी हिंसा के मामले में राज्य आज भी वहीं, जहां पांच दशक पहले था

विकास कुमार

ममता सरकार पंचायत चुनाव में हुई भयावह हिंसा की जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। यह सत्तारूढ़ दल मतपेटियां लेकर भाग जाएं और उन्हें तालाबों, नालों में फेंक दें या फिर आग के हवाले कर दें। बंगाल में केवल इतना ही नहीं हुआ, मतदान

का ही दायित्व होता है कि वह हिंसा रोके। आश्चर्य और अफसोस की बात यह है कि केंद्रीय बलों की तैनाती के बाद भी बंगाल में जमकर हिंसा हुई। हैरानी नहीं कि ममता सरकार ने इन बलों का यथोचित उपयोग करने में आनाकानी की हो। बंगाल के पंचायत चुनाव में मतदान के दिन जैसी भीषण हिंसा हुई, उससे न केवल यह राज्य, बल्कि देश भी शर्मसार हुआ। यह हिंसा लोकतंत्र को भी कलंकित करने वाली है। यह क्षोभ की बात है कि पंचायत चुनाव में व्यापक हिंसा की आशंका के बाद भी उसे रोका नहीं जा सका। राज्य चुनाव आयोग चाहे जो दावे करे, वह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में बुरी तरह नाकाम रहा। आज के भारत में यह अकल्प नीय है कि मत पत्र लूटे जाएं, जबरन मतदान कराया जाए, उपद्रवी तत्व स्थलों में खुले आम बम एवं गोलियां चलीं और विरोधी दलों के कार्यकर्ताओं तथा प्रत्याशियों पर प्राणघातक हमले भी किए गए। चुनावी हिंसा में मरने वालों का आधिकारिक आंकड़ा कुछ भी बताया जाए, इस हिंसा में करीब एक दर्जन लोगों के मारे जाने का अंदेशा है। चूंकि चुनावी हिंसा में मरने वालों में सभी दलों के लोग हैं, इसलिए यह स्पष्ट है कि हिंसा का जवाब हिंसा से दिया जा रहा है। ऐसा तभी होता है,जब हिंसा राज नीतिक संस्कृति का हिस्सा बन जाती है। बंगाल में हर स्तर के चुनावों में जैसी हिंसा होती है, वैसी एक समय देश के अन्य हिस्सों में भी होती थी, लेकिन अब वह बीती बात बन गई है। इस नतीजे पर पहुंचने के अलावा और कोई उपाय नहीं कि राजनीतिक अपसंस्कृति के कारण बंगाल चुनावी हिंसा के मामले में आज भी वहीं खड़ा है, जहां चार–पांच दशक पहले था। यह भी स्पष्ट है कि परिवर्तन के नारे के साथ बंगाल की सत्ता में आईं ममता बनर्जी ने राजनीतिक विरोधियों को कुचल देने वाले उन्हीं तौर–तरीकों को अपना लिया है, जो वाम दलों ने अपना रखे थे और जिनके कारण वे देश भर में लांछित हुए। शेष देश में तो चुनावी हिंसा पर विराम लग गई, लेकिन बंगाल अभी भी उससे अभिशप्त है। यह भूला नहीं जा सकता कि पिछले विधानसभा चुनाव के पहले और बाद में बंगाल में सत्तारूढ़ दल के लोगों ने किस तरह अपने उत्पात से विरोधियों को खौफजदा किया था। ममता सरकार पंचायत चुनाव में हुई भयावह हिंसा की जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। यह सत्तारूढ़ दल का ही दायित्व होता है कि वह हिंसा रोके। आश्चर्य और अफसोस की बात यह है कि केंद्रीय बलों की तैनाती के बाद भी बंगाल में जमकर हिंसा हुई। हैरानी नहीं कि ममता सरकार ने इन बलों का यथोचित उपयोग करने में आनाकानी की हो। जो भी हो, पंचायतों पर कब्जे की होड़ इसलिए भी रक्तरंजित हो रही है, क्योंकि ग्रामीण विकास के लिए उन्हें अच्छा–खासा धन मिलता है और यह किसी से छिपा नहीं कि विकास कार्यों के लिए आवंटित राशि का एक बड़ा हिस्सा किस तरह भ्रष्ट तत्वों की जेब में जाता है।

यूपी में कांग्रेस को नेता की तलाश

कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश में नेता तलाश रही है। पिछले करीब पांच साल से प्रियंका गांधी वाड्रा प्रभारी के तौर पर उत्तर प्रदेश में काम कर रही थीं। उन्होंने पहले अजय सिंह लल्लू को अध्यक्ष बनवाया था और अब बृजलाल खाबरी को अध्यक्ष बनाया है। यानी कांग्रेस की राजनीति पिछड़ा और दलित वाली रही है। अब कांग्रेस को राज्य में नई राजनीति करनी है तो उसे ऐसे चेहरे की तलाश है, जो अपने दम पर कांग्रेस को खड़ा कर सके। कर्नाटक के बाद कांग्रेस उम्मीद कर रही है कि मुस्लिम उसको वोट देंगे और मल्लिकार्जुन खडग़े की वजह से दलित वोट मिलने की भी उम्मीद है।बसपा प्रमुख मायावती की निष्क्रि यता से भी कांग्रेस उम्मीद कर रही है कि कुछ दलित वोट उसकी ओर शिफ्ट होगा। लेकिन कांग्रेस की मुश्किल यह है कि उसके पास नेता नहीं है। पिछले तीन दशक में कांग्रेस ने नए नेता नहीं खड़े किए। कांग्रेस के पास राज्य में ले–देकर एक मुस्लिम नेता सलमान खुर्शीद हैं। वे भी अपनी चमक काफी पहले खो चुके हैं।पिछले दिनों कांग्रेस ने इमरान प्रतापगढ़ी को राज्यसभा भेजा लेकिन वे कोई जमीनी नेता नहीं हैं और न संगठन के आदमी हैं। वे मंच के लोकप्रिय कवि हैं और किसी बड़े नेता को उनकी शक्ल पसंद आ गई तो वे राज्यसभा चले गए। वे उत्तर प्रदेश तो छोड़िए अपने गृह जिले में भी कांग्रेस के पक्ष में दो–चार वोट भी शिफ्ट कराने की स्थिति में नहीं हैं। तभी सवाल है कि कांग्रेस के पास मुस्लिम वोट में मैसेज देने के लिए कोई बड़ा मुस्लिम नेता नहीं है। इसी तरह राज्य में कांग्रेस के पास कोई बड़ा ब्राह्मण चेहरा भी नहीं है। कमलापति त्रिपाठी के परिवार के ललितेश पति त्रिपाठी तृणमूल कांग्रेस में चले गए। जितिन प्रसाद भाजपा में जाकर मंत्री बन गए। वाराणसी में ले–देकर राजेश मिश्र हैं। दलित नेतृत्व में खाबरी हैं, जो बस पा से आए हैं और पीएल पुनिया हैं,जो पहले अधिकारी थे और मायावती के बड़े करीबी थे। बेनी प्रसाद वर्मा बड़ा पिछड़ा चेहरा थे लेकिन वे भी बसपा से आए थे। उनके बाद कोई उस कद का नेता कांग्रेस के पास बचा नहीं। उन्हीं की जाति के आरपीएन सिंह थे, जिनको कांग्रेस ने आगे बढ़ाया था। अब वे भाजपा में चले गए हैं। आखिरी बड़ा वैश्य चेहरा श्रीप्रकाश जायसवाल थे और वे भी अब कहां हैं, किसी को पता नहीं है। प्रदेश में कोई बड़ा जाट नेता कांग्रेस के पास पहले से नहीं है। सो, किसी भी जाति या समुदाय का देखिए या जाति व समुदाय से निरपेक्ष होकर देखिए तो कांग्रेस के पास नेता नहीं हैं। इसलिए उसको सपा के सहारे ही राजनीति करनी होगी अन्यथा वह दो–ढाई फीसदी वोट पर सिमटी रहेगी।

अथ श्री महंगाई व्रत कथा, आदि माता सबसे छोटी संतान भू–लोक में महंगाई नाम से हुई कुविख्यात

सूर्यकुमार पांडेय

एकदा नश्वरे लोके। एक बार वहां के समस्त महंगाई पीड़ित जन एकत्र हुए। उन सबने तत्समय एक मात्र सर्वोपलब्ध स्वामी दुर्लभानंद से करबद्ध प्रार्थना की और कहा कि हे नाथ, हमें शीघ्रातिशीघ्र इस महा अत्याचारिणी महंगाई के प्रकोप से बचने का कोई उपाय बताने की अनुकंपा करें। तब स्वामी दुर्लभानंद ने कृपापूर्वक जो कथा सुनाई, वह इस प्रकार है। अथ श्री महंगाई व्रत कथा। जठराग्नि पुराण की एक कथा के अनुसार, अनश्वर लोक की आदि माता ने दुख, दरिद्रता, अशांति, अनैति कता, भ्रष्टाचार, जमाखोरी, घोटा लेबाजी सहित जिन सौ संतानों को जन्म दिया था, कालांतर में उनमें से सबसे छोटी संतान भू–लोक में महंगाई नाम से कुविख्यात हुई। महंगाई जन्म लेते ही जवान होने लग गई थी। वह विकट चंचला और अति उत्पात कारिणी थी। जहां कहीं पर भी उसकी छाया पड़ जाती थी, वह स्थान ही बंजर हो जाता था। बाजार में जो चीज कल तक सौ रुपये के भाव मिलती थी, अगले दिन वह दो सौ रुपये में मिलने लगती थी। इस महंगाई की विकास दर उस राज्य की सकल विकास दर को ठेंगा दिखलाती और ठहाके लगाया करती थी। चंद्रमा की चौदह कलाओं को मात देने वाली महंगाई की इस वृद्धि दर को देखकर अनश्वर लोक के निवासी भयाक्रांत हो गए। उन्होंने आदि माता की सामूहिक प्रार्थना की और तदनंतर निवेदन किया, श्हे माते, आपकी यह संतान अतिशय कष्टद ायिनी है। यह हमारे घरों में घुस आती है। भोजनागार की प्रत्येक वस्तु का स्पर्श करती है और यह जिस भी सामग्री को हाथ लगाती है, उसकी मात्रा न्यून और भाव उच्च हो जाते हैं। आपकी इस उदरात्मजा ने स्थानीय बाजारों में भी अपनी लीला आरंभ कर दी है। यह जिस वस्तु को भी देखती है, उसे तत्क्षण लील जाती है। देवि, इसकी भक्षण–शक्ति अतिशय विकराल है। इसे अपने भाइयों–बहनों का भी पूर्ण सहयोग प्राप्त है। इससे पूर्व कि आपकी यह महंगाई नामक संतान सकल अनश्वर लोक को आच्छादित कर ले, आप इससे हमारी रक्षा कीजिए। त्राहिमाम, माते त्राहिम ाम!तब अनश्वर लोक की आदि माता ने अपनी इस लाड़ली को प्रेमपूर्वक अपने पास बुलाया और मधुर स्वर में उससे कहा, श्मैं तुम्हारे स्वभाव, प्रकृति, गुण और तीव्र गति से भली–भांति परिचित हूं क्योंकि मैं तुम्हारी जन्म दात्री हूं। यदि तुम चाहती हो कि मैं अनश्वर लोक में अनंत काल तक राज्य करूं तो तुम्हें यह स्थल त्याग कर किसी और लोक में निवास करना होगा।श महंगाई नाम की यह संतान तत्समय पूर्ण यौवनावस्था को प्राप्त कर चुकी थी। उसने अपनी माता से कहा, श्हे माते, मैं आपके आदेश का उल्लंघन नहीं कर सकती। मैं अभी और इसी समय किसी और लोग में जाने को तैयार हूं लेकिन आप ही सुझाइए कि मैं किस लोक में जाऊं, जहां पर मैं सुखपूर्वक अनादि काल तक निवास कर सकूं। तब अनश्वर लोक की आदि माता ने आंखों में आंसू और अपने अधर पर मुस्कान लाते हुए कहा, श्मेरे विचार से भू–लोक ही तुम्हारे लिए सबसे निरापद स्थल है। वहां पर एक ऐसा स्थान है,जहां के निवासी अत्यंत सहन शील हैं। वे तुम्हारे किसी कार्य में कोई भी विघ्न नहीं डालेंगे। अलबत्ता, उस देश के नागरिक स्वयं तुम्हें अपने– अपने घरों में ले जाकर तुम्हारी मूर्ति की स्थापना करने में सहयोग करेंगे और जनता को तुम्हारी पूजा–अर्चना के लिए विवश करेंगे। मैं स्वयं कई बार संकट के काल में इनके धैर्य की परीक्षा भी ले चुकी हूं।श आदि माता के इन मधुर वचनों को सुनने के उपरांत महंगाई ने उनके संकेतों को समझते हुए भू–लोक की सर्वश्रेष्ठ भूमि का वरण करने का निश्चय किया और वह वहां पर जाकर बस गई। तभी से वहां के निवासी दोनों वक्त आधा पेट खाकर और कभी–कभी भूखे रहकर भी प्रतिदिन इसकी पूजा करते हैं और धन आदि के चढ़ावे अर्पित करते रहते हैं। इतिश्री महंगाई व्रत कथा।

होमियोपैथिक डीलर्स एसोसिएशन द्वारा सावनी भोज का आयोजन

एसोसिएशन द्वारा पत्रकारों को किया गया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। होमियोपैथिक डीलर्स एसोसिएशन द्वारा नगर के एक मैरिज

लॉन मे सावनी भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष डॉ रवि प्रकाश श्रीवास्तव ने एसोसिएशन की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया साथ ही संस्था से जुड़े तमाम डीलर डॉक्टर मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव की समस्याओं के बारे में भी संस्था को अवगत कराया और सभी समस्याओं के निदान के लिए भी लोगों को आश्वस्त किया। सभी से आग्रह किया कि लोग एक दूसरे का मिलजुल कर सहयोग करें संगठन में जो भी समस्याएं होंगी उसे बैठकर सुलझाया जाएगा। जिससे किसी को काम करने में कोई दिक्कत या कठिनाई ना हो। इससे पूर्व कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉक्टर प्रमोद मिश्रा व जिला अध्यक्ष द्वारा होम्योपैथिक के जनक डॉक्टर हनीमैन के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन द्वारा वरिष्ठ पत्रकार दीपक श्रीवास्तव व दिलीप शुक्ला को अंगवस्त्रम और बुके देकर सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डा0 प्रमोद मिश्रा व संचालन धीरज मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में जनपद की तमाम डीलर स्टॉकिस्ट एमआर ने भाग लिया।अंत मे अध्यक्ष,डा० रवि प्रकाशश्रीवास्तव ने सभी आये हुए लोगो स्वागत अभिनन्दन किये व महासचिव डा0 मनीष गुप्ता सभी का आभार प्रकट किया।कार्यक्रम के दौरान संस्था के संदीप जयसवाल श्री प्रकाश ,विवेक ,विनोद मौर्य उमंग श्रीवास्तव डॉ अखिलेश पाल आदि लोग उपास्थित रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अभिन्न कश्मीर का जो सपना देखा था, आज वह पूरा हुआ : भूपेन्द्र सिंह चौधरी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । भाजपा के जिला कार्यालय पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयन्ती पर माल्यार्पण

और पुष्प अर्पित कर याद किया गया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अभिन्न कश्मीर का जो सपना देखा था, आज वह पूरा हो चुका है। उन्होंने आगे कहा कि मुखर्जी ने जनसंघ के रूप मे जो पौधा लगाया था, आज वही भाजपा के रूप में पूरे भारत में अपना मजबूत संगठन तैयार कर लिया है। आज का दिन हम सबके लिए देश के लिए महत्वपूर्ण है। आज ऐसे सपूत का जन्म हुआ, जिनके संकल्प से कश्मीर में धारा 370 हटी। डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी विद्वान, राष्ट्रवादी विचारक, भारतीय जीवन मूल परंपरा संस्कृति के पुजारी थे और उन्होंने ही भारतीय जनसंघ की स्थापना की थी। आज हम सभी कहते हुए प्रसन्न हैं। धारा 370 हटाने के लिए डॉक्टर साहब ने जो बलिदान दिया था हमें गर्व है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार ने साहसिक और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए एक झटके में कश्मीर से धारा 370 और 35 ए को हटा दिया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राष्ट्रवादी और अभिन्न कश्मीर की सोच सदा प्रेरणादायी रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में चल रही केंद्र सरकार श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार करने का काम कर रही है। उन्होंने घर घर सम्पर्क के कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा किया और कहा कि भाजपा का प्रदेश में महा जनसंपर्क अभियान शुरू हुआ है। इसके तहत घर–घर जनसंपर्क कर सरकार की योजनाओं के बारे में आमजन को बताया जाये। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नौ साल बेमिसाल हैं। नौ साल में देश–प्रदेश बदल रहा है। मोदी सरकार के कामों को हम जन–जन तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। भाजपा सरकार सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और अंत्योदय के मूल मंत्र के साथ हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। सरकार की साफ नीयत और ईमानदार सोच के चलते आज हितग्राहियों को हर योजना का पूर्ण हितलाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूर्ण हुए हैं। सुशासन और गरीब कल्याण की योजनाओं से प्रत्येक घर में जो कार्य हुए हैं, उसे लेकर केंद्र सरकार ने गरीबों का जीवन बदलने का अभियान चलाया है। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी की जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राही हमारी ताकत हैं। पार्टी के कार्यकताओं द्वारा प्रदेश के प्रत्येक घर में जनसंपर्क किया जाएगा। इस अभियान में प्रत्येक बूथ को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ता जनसंपर्क में जुटे हैं। इस अवसर पर राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता, सुशील मिश्रा, अमित श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष सुधाकर उपाध्याय सुरेन्द्र सिंघानियां रवींद्र सिंह राजू दादा, धनन्जय सिंह, धीरू सिंह, ओमप्रकाश सिंह, आमोद सिंह, रोहन सिंह, नरेन्द्र उपाध्याय, अनिल गुप्ता, परविंदर चौहान, इन्द्रसेन सिंह, प्रमोद प्रजापति, घनश्याम यादव, देवी प्रसाद सिंह, अजय मिश्रा, विस्तारक गण अम्बरीशधर, माधव, कृष्णा, शुभम मौर्या आदि उपस्थित रहे।

फरेबी ओझा के खिलाफ नशीला पदार्थ खिलाकर छेड़खानी के प्रयास का दर्ज हुआ मुकदमा

देवीगंज में झाड़फूंक के बहाने नशीला पदार्थ पिलाकर पाँच लोगों को कर दिया था बेहोश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सिकरारा थान क्षेत्र के देवीगंज में गत दिनों एक बीमार युवती को झाड़फूंक कर ठीक करने के बहाने नशीला पदार्थ पिलाकर छेड़खानी का प्रयास करने वाले फरेबी ओझा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सिकरारा पुलिस उसे गिरफ्तार करने उसके घर पहुंची तो वह फरार हो चुका था।

उक्त गांव के रमजान अली ने रविवार को तहरीर देकर आजमगढ़ के बरदह थाना के बनौरा गाँव निवासी नौशाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।उन्होंने तहरीर में लिखा है कि उनकी 20 वर्षीया बेटी नरगिस काफी दिनों से बीमार चल रही थी।काफी दिनों तक इलाज कराने पर वह ठीक नहीं हो रही थी।ससुराली जनों की सलाह पर उन्होंने उक्त ओझा से सम्पर्क किया तो वे गुरुवार को उसे लेकर घर आए । बेटी को देख उसने कहा कि 35000 रुपये लगेंगे उनकी बिटिया ठीक हो जाएगी।वे16500 रुपये बतौर पेशगी उसे दे भी दिए।शुक्रवार को वह शाम उनके घर आया। लगभग 12 बजे रात उनकी बेटी नरगिस, पत्नी जरीना, बहूं कमरुनिश तथा पड़ोसन हसीना के साथ उनको एक कमरे में ले जाकर कुछ क्रिया कर सभी को प्रसाद के नाम पर कोई नशीला पदार्थ पिला दिया जिससे वे चारो बेहोश गए इसके बाद वह उसकी बेटी के साथ छेड़खानी का प्रयास करने लगा। बेटी चिल्लाकर कमरे से बाहर भागी ।आवाज सुनकर उसके भाई पहुँचे तो वह अपनी बाइक व सामान छोड़ कर भाग गया थोड़ी देर में उसकी बेटी भी बेहोश हो गई। पुलिस द्वारा उन लोगो को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजवाया गया जहां से स्वस्थ हो कर वे रविवार शाम थाने पर तहरीर दिए। उक्त सन्दर्भ में थाना प्रभारी महेश कुमार सिंह ने बताया कि रमजान की तहरीर व बाइक के रजिस्ट्रेशन नम्बर से दरियाफ्त के बाद नौशाद के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए पुलिस टीम द्वारा उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी गई तो उसके घर पर कोई नहीं मिला।उसके मोबाइल नम्बर को सर्विलांस में लगाया गया है।जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इसैली विधायक मोहम्मद ताहिर के अथक प्रयासों से शारदा सहायक नहर में डूबे युवक की लाश बरामद

सुल्तानपुर। इसौली विधायक मोहम्मद ताहिर नें शारदा सहायक नहर में डूबे युवक की तलाश के लिए अधिकारीयों कर्मचारियों दिशा निर्देश जारी करते हुए बताया कि हम बेहतर नजर बनाए हुए हैं घर वालों को सांत्वना देते हुए कहा कि धैर्य बनाए रखें जितनी हो मदद की जाएगी। नहर का पानी कम करा दिया गया था जिसके युवक की तलाश हो गई। गोताखोर नें नहर में युवक तलाश के लगे हुए थे।जिसका परिणाम देखने को मिला आज शाम को युवक की लाश बरामद कर लिया गया है विधायक के अथक प्रयासों से युवक की लाश बरामद उन्होने लोगों से अपील की है कि धैर्य बनाए रखे।

उन्होने गोताखोर टीम थाना अध्यक्ष धनपतगंज एंव शारदा सहायक इक्शचियन को धन्यवाद दिया और किसानों की समस्याओं को देखते हुए नहर के पानी को चालू करा दिया। बताते चलें शुक्रवार को धनपतगंज थाना क्षेत्र के हरौरा बाजार के निकट महमूदपुर पुल के पास,कल बल्दीराय थाना क्षेत्र के कुमासी गांव की नहर में कूदी यूवती की लाश देख कर रिश्तेदार सैफ खान पुत्र दिलशाद (18) निवासी इनायतपुर।

श्रावण माह मेले का जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने त्रिलोचन महादेव में किया निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । श्रावण मास के प्रथम सोमवार को श्रद्धालुओं को किसी

प्रकार की असुविधा न हो और समस्त शिव भक्तों की यात्रा को सुगम बनाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी अनुज कुमार झा तथा पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा के द्वारा त्रिलोचन महादेव मंदिर का निरीक्षण किया गया।

स्काउट गाइड की टीम के सदस्य गप्पू लाल द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि श्रावण मास में यहां श्रद्धालुओं का अत्यधिक आवागमन होता है जिसके लिए स्काउट गाइड की टीम द्वारा श्रद्धालुओ को पंक्तिबद्ध तरीके से दर्शन कराने हेतु लगाया गया है और श्रद्धालुओं द्वारा व्यवस्थित तरीके से दर्शन ,पूजन भी किया जा रहा है, जिसपर जिलाधिकारी ने कहा कि वालंटियर लगाते हुए यह सुनिश्चित कराए कि श्रद्धालुओं को दर्शन पूजन में किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने सी०ओ० केराकत को निर्देशित किया कि इसमें पुलिस प्रशासन के द्वारा पूर्ण सहयोग किया जाए। मंदिर परिसर की साफ–सफाई नियमित रूप से कराई जाए।

पुलिस अधीक्षक ने सी०ओ० केराकत को निर्देश दिया कि पर्याप्त पुलिस व्यवस्था लगाते हुए श्रद्धालुओं को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए दर्शन कराया जाए, जिससे उन्हें किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न होने पाए तथा उनके लिए पेयजल आदि की भी समुचित व्यवस्था की जाए।

14 लाख के खेल मैदान और 12 लाख के आंगनवाड़ी केंद्र की सौगात

सुल्तानपुर। कुड़वार विकास खंड के बहमरपुर ग्राम पंचायत के ग्रामीणों को 14 लाख 23 हजार के खेल मैदान और 12 लाख के नए

आंगनबाड़ी केंद्र की सौगात मिली है। रविवार को ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि कुड़वार योगेंद्र प्रताप सिंह व भाजपा नेता चिरंजीवी मिश्र उर्फ मोंटी ने भूमि पूजन किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी खेल मैदान का अभाव है। जिसके चलते ग्रामीण प्रतिभाओं को निखरने का अवसर नहीं मिल पाता। युवा वर्ग दौड़ का अभ्यास करने के लिए सड़कों पर जाता है, जिससे दुर्घटना की भी संभावना बनी रहती है। गांव में खेल का मैदान बन जाने से अब युवा गांव में ही खेल और दौड़ का अभ्यास कर सकेंगे।भाजपा नेता व प्रधान प्रतिनिधि चिरंजीवी सिंह उर्फ मोंटी ने ग्राम वासियों को यह तोहफा दिया है। उन्होंने कहा कि बहमरपुर ग्राम पंचायत को मॉडल ग्राम पंचायत का स्वरूप देना ही हमारा लक्ष्य है। कहा कि गांव में प्रतिभाओं की कमी नहीं है आवश्यकता इसकी है कि उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाय। उन्होंने आशा व्यक्त की कि गांव के युवा इस खेल मैदान का भरपूर लाभ उठाएंगे।प्रमुख ने इस मौके पर पूरे लेदई से मनोज तिवारी के घर तक 300 मीटर खड़ंजा का तोहफा भी अपनी निधि से देने की घोषणा की।इस मौके पर प्रधान रामकुमार कश्यप, रामकरण मौर्य, राम सुंदर मिश्र, शिव भूषण मिश्र, जगदीश प्रसाद ओझा, चंद्रभान यादव, जगराम प्रजापति अमरदीप प्रजापति, संदीप प्रजापति, निजाम अहमद , सगीर अहमद, गिरिजादत्त मिश्र, रामनाथ रैदास आदि लोग मौजूद रहे।

एस आर ग्रुप ने किया नए तकनीकी समझौता पर हस्ताक्षर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बख्शी तालाब स्थित एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में आज डॉक्टर दिव्या गुप्ता एक्सपीरियोम कंपनी की जनरल मैनेजर और एसआर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के बीच बायोटेक बीटेक ब्रांच के मध्य एक साझा समझौता किया गया जिसमें एक्सप्रीओम कंपनी बीटेक के छात्रों को आने वाली बहुउद्देशीय कंपनियों हेतु नई तकनीकी ज्ञान जिसमें माइक्रोबायो, जिनोम, स्टेम सेल, इत्यादि पर प्रशिक्षित करेगी। जिससे छात्रों को उच्च वेतनमान दिलाया जा सके।

सीएस और आईटी के छात्रों के लिए एक और कंपनी से साझा किया गया जिसका नाम पी ओ डी कंपनी है इस के प्रतिनिधि के रूप में सौरभ तिवारी उपस्थित थे और यह साजा समझौता एसआर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर डीपी सिंह एवं पॉड कंपनी के प्रतिनिधि सौरभ के बीच कराया गया । संस्थान के चेयरमैन पवन सिंह चौहान एवं डॉक्टर दिव्या गुप्ता के बीच दोनों समझौतों के प्रपत्र का आदान–प्रदान किया गया। यह साझा आने वाले 10 वर्षों के लिए छात्रों को नवीन तकनीक से समृद्ध करेगा। इसका लाभ प्रथम वर्ष से लेकर अंतिम वर्ष के छात्र एवं छात्राओं को ग्रीष्मकालीन अवकाश के प्रशिक्षण के समय प्रतिवर्ष दिया जाएगा।

कांग्रेस पार्टी द्वारा पिछड़ा वर्ग मंडलीय महासम्मेलन हुआ संपन्न

अयोध्या। जनपद के दर्शन नगर स्थित गुलमोहर मैरिज लान के सभागार में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा पिछड़ा वर्ग मंडली महासम्मेलन आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वीरेंद्र चौधरी विधायक, जयकरण वर्मा प्रदेश महासचिव अनिल यादव संगठन सचिव द्वारा किया गया कार्यक्रम के संयोजक रामनरेश प्रदेश महासचिव ने बताया कि पिछड़ा वर्ग सम्मेलन करने का उद्देश सभी को एक मंच पर लाने का कार्य किया जा रहा है उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में पिछड़ा वर्ग के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने पर पिछड़ा वर्ग को हक देने का कार्य किया जाएगा। इसी कड़ी में जय करन वर्मा प्रदेश महासचिव ने कहा कि आज दर्जनों की संख्या में लोगों ने कांग्रेस पार्टी का झंडा थाम कर पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया इन सभी के जुड़ने से कांग्रेस पार्टी मजबूती हुई 2024 के लोक सभा चुनाव में कांग्रेस की जीत होगी इस अवसर पर जयकरण वर्मा राजदेव वर्मा मनोज यादव अनिल यादव मुद्रिका सिंह यादव देवेंद्र निषाद राहुल राजभर नीता मौर्या के साथ दर्जनों की संख्या में जिला कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग के दर्जनों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।

शिक्षित बनो,संगठित रहो, संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं होगी –जयसिंह राजपूत

क्राइम ब्यूरो धनंजय विश्वकर्मा

गौराबादशाहपुर जौनपुर.। विगत माह की भांति मेढ़ावा नरेश राणा सूबेदार सिंह चौहान के आगमन की

तैयारी करते हुए ठा.आद्या प्रसाद सिंह के मार्गदर्शन में चल रहे अभियान की अगली कड़ी में क्षत्रिय विकास संस्था के प्रदेश प्रभारी डॉ०जयसिंह राजपूत के नेतृत्व में गौराबादशाहपुर क्षेत्र के भदेवरा ग्रामसभा भगवान शिव के मंदिर पर एक बैठक का आयोजन किया गया,जिसमें डॉ.राजपूत ने अपने संबोधान में बैठक को संबोधित करते हुए अवगत कराया कि,अगर हमारा क्षत्रिय समाज शिक्षित और संगठित हो जाए तो संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं होगी,जिस दिन समाज अपने स्वाभिमानी पूर्वजों एवं गौरवशाली इतिहास को याद करके सिर्फ अपनी सोच को बदल दे उस दिन सब कुछ बदल सकता है,बैठक की अध्यक्षता कर रहे राजपत्रित (वन क्षेत्राधिकारी)ठा.राजेंद्र सिंह चौहान ने उपस्थित लोगों को उनके पूर्वजों एवं इतिहास के बारे में विस्तृत जानकारी दी, इस अवसर पर जिलाजीत सिंह सोलंकी,महेंद्र सिंह चौहान,सुरेंद्र सिंह, अनिल सिंह चौहान, राममिलन राजपूत, मनभावन सिंह चौहान आदि लोग उपस्थित रहे, संचालन प्रमोद सिंह परमार द्वारा किया गया।

एक अभियुक्त गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। थाना पवाँरा पुलिस द्वारा धारा 379 से सम्बन्धित 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की हुई सामान व 2050 रुपये नकद बरामद किया है।डा0 अजय पाल शर्मा,पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मछलीशहर जौनपुर के कुशल पर्यवेक्षण व तथा थानाध्यक्ष राजनारायन चौरसिया के मार्गदर्शन मे उ0नि0 नागेश्वर शुक्ला द्वारा मुखबिर की सूचना पर एक अभियुक्त 1. पथरू सरोज उर्फ हरिशंकर सरोज पुत्र पांचूराम सरोज निवासी करौंदी थाना मछलीशहर जौनपुर को एक झोला जिसमें पीतल के पांच घन्टाध्घन्टी व एक चिट बन्दी जिसमें 2050 रुपये नकद के साथ बंधवा देशी शराब की दुकान से गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्त पथरू सरोज उर्फ हरिशंकर सरोज पुत्र पांचूराम सरोज उपरोक्त को विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेज दिया गया है ।

उद्घाटन समारोह : सरिता फिलिंग स्टेशन का अध्यक्ष जिला पंचायत प्रतिनिधि ने किया भव्य शुभारम्भ

सुलतानपुर। विकास क्षेत्र जयसिंहपुर तहसील अंतर्गत दियरा चौराहा, रोड दियरा बाजार स्थित

सरिता फीलिंग स्टेशन का विधिविधान रूप से शुभारम्भ किया गया। इस दौरान पंडित जी ने पूजा अर्चना करवा कर कार्यक्रम को मंत्रोचारण से शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनधि बल्दीराय ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने फीता काटकर फीलिंग स्टेशन का शुभारंभ किया, उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंप खुल जाने से आने जाने वाले वाहन चालक राहगीरों व किसानों को ईंधन लेने में कोई असुविधा नही होगी व उनकी जरूरत पूरी हो सकेगी इस मौके पर जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल शुक्ल, मोतिगरपुर ब्लॉक प्रमुख चन्द्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत सदस्य किरन यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेश शुक्ल, पूर्व जिला अध्यक्ष सपा रामसहाय यादव, कुलदीप तिवारी(सोनू), जेई पी के. सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। फीलिंग स्टेशन संचालक प्रदीप तिवारी ने जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि व ब्लाक प्रमुख सहित अन्य कार्यक्रम में आये हुए अतिथियों का अभिनंदन किया।

पवित्र श्रावण मास में भोले बाबा के जयकारे लगाते हुए बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए निकला अयोध्या से जत्था

अयोध्या। पवित्र श्रावण मास में भोले बाबा के जयकारे लगाते हुए बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जाने वाले एक जत्थे को केंद्रीय दुर्गा पूजा एवं रामलीला समन्वय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने आज सुबह सियालदह एक्सप्रेस पर बैठाकर रवाना किया। रवानगी से पूर्व केंद्रीय समिति के अध्यक्ष ने सभी दर्शनार्थियों का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया।उनके साथ केंद्रीय समिति के पुजारी चंचल दास, रोहिताश चंद्र राजू सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। जब तक ट्रेन अपने गंतव्य को रवाना नहीं हो गई पूरा स्टेशन भोले बाबा के जयकारों से गुंजायमान रहा। केंद्रीय समिति के अध्यक्ष श्री मनोज जायसवाल ने सभी दर्शनार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद यात्रा की कामना की और कहा की भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद सदैव हम लोगों को प्राप्त हो तथा उनके आशीर्वाद से हम सभी समाज के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे ऐसी कामना से हमे धार्मिक क्रियाकलाप में तत्पर रहना चाहिए। बाबा बर्फानी की यात्रा में जाने वाले लोगों में प्रमुख रूप से श्रवण जायसवाल, शक्ति गुप्ता, राजीव श्रीवास्तव मिंटू, अमितेश श्रीवास्तव, रोहित जायसवाल ,जितेंद्र जायसवाल, प्रदीप कुमार, मुलायम यादव, शुभम जायसवाल, शंकरलाल, अरविंद गुप्ता, मंगल, रोहिताश चंद्र, अजय गुप्ता, निखिल गुप्ता, दिग्विजय गुप्ता, प्रशांत, राकेश गुप्ता, सतीश मौर्य, शिवम गुप्ता, शुभम गुप्ता, संजय चौरसिया, मुकेश, अमरदीप, मोहित गुप्ता, सूरज गुप्ता, प्रवेश, संजय कुमार आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

तालाब में डूबने से बालक की मौत

रूदौली– अयोध्या। बाबा बाजार थाना अंतर्गत पूरे पठान मजरे शेरपुर गांव में तालाब किनारे खेलते वक्त फिसल कर डूबने से एक बालक की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक बाबा बाजार थाना क्षेत्र के पठान पुरवा मजरे शेरपुर गांव में कोलिहा तालाब गांव के किनारे ही स्थित है जहाँ रविवार की सुबह बारिश अधिक होने के चलते गांव के ही कुछ बच्चे तालाब में मछली पकड़ने के लिए गए हुए थे जहाँ खेलते हुए पठान पुरवा गांव निवासी सौरभ पुत्र स्वामीनाथ उम्र 7 वर्ष भी चला गया।तालाब किनारे खेलते वक्त वह गहरे पानी मे फिसल गया और डूबने लगा जब आसपास मौजूद लोगों ने उसे देखा तो भागकर गांव में जानकारी दी जिसके बाद पहुँचे परिजन व ग्रामीणों ने जब तक उसे तालाब में खोजकर बाहर निकाला उसकी मौत हो चुकी थी।ग्राम प्रधान पति दिनेश रावत ने बताया कि मामले की जानकारी पुलिस को दी गई हैं लेकिन परिजन शव का पोस्टमार्टम नही करवाना चाहते हैं।

गली–मुहल्लों में परिवार नियोजन के प्रति लोगों को जागरूक करेगा सारथी वाहन

सारथी वाहन को सीएमओ ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अयोध्या।समाज में परिवार नियोजन के प्रति लोगों को जागरूकता और गर्भनिरोधक साधनों की स्वीकार्यता बढ़ाने के उद्देश्य से जिले में आज विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में 24 जुलाई तक 'जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा' चलाया जाएगा। इस मौके पर सीएमओ डॉ संजय जैन ने लोगों को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक करने के लिये सारथी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इसके माध्यम से परिवार नियोजन के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक किया जाएगा।जिसमें माइकिंग, पोस्टर, पंपलेट इत्यादि के माध्यम से प्रचार– प्रसार तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ता गांव–गांव में सम्पर्क करेंगे।जिसमें समुदाय अथवा चिकित्सा इकाई स्तर पर इच्छुक लाभार्थियों की परिवार नियोजन के विभिन्न गर्भनिरोधक साधनों पर काउंसलिंग की जाएंगी द्य गतिविधि कैलेंडर तैयार कर सभी ब्लॉकों में परिवार नियोजन की सेवाएं दी जाएंगी।इसके अलावा चिकित्सा इकाईयों पर परिवार नियोजन सम्बन्धित बैनर–पोस्टर, दीवार–लेखन, तथा पम्पलेट वितरण सुनिश्चित किया जाएगा।उक्त बातें सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय जैन ने विश्व जनसंख्या दिवस के प्रचार–प्रसार के लिये सारथी वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के दौरान कही। उन्होंने कहा कि सारथी वाहन गलियों और चौराहों पर जाकर परिवार नियोजन का प्रचार प्रसार करेगा। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आरके सक्सेना ने बताया कि जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा में अस्थायी विधि जैसे– आईयूसीडी, गर्भ निरोधक इंजेक्शन अंतरा, गर्भनिरोधक गोली छाया, माला–एन इत्यादि जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध रहेंगी, जहाँ से इच्छुक लाभार्थी आसानी से सेवाएं ले सकेंगे।

वही जिला कार्यक्रम प्रबंधक राम प्रकाश पटेल एवम जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी वीपी सिंह ने बताया कि सीमित परिवार रखने के लिए स्वास्थ्य इकाईयों पर बास्केट आफ च्वाइस का विकल्प मौजूद है द्य इसमें महिला और पुरुष नसबंदी को स्थायी तथा आईयूसीडी, पीपीआईयूसीडी, अंतरा इंजेक्शन, छाया गोली, माला–एन व कंडोम को अस्थायी साधनों के रूप में शामिल किया गया है।इन साधनों में से अपनी पसंद का साधन चुनकर शादी के दो साल बाद ही बच्चे के जन्म की योजना बना सकते हैं द्य दो बच्चों के जन्म में पर्याप्त अंतर रखना माँ और बच्चे के स्वस्थ और खुशहाल जीवन के लिए बहुत जरूरी है द्य जब परिवार पूरा हो जाए तो दंपत्ति स्थायी साधन के रूप में नसबंदी अपना सकते हैं।

रफी अहमद किदवई इण्टर कालेज के भवन का लोकार्पण

सुसज्जित भवन में गुरुजन विद्यार्थियों को संस्कारित शिक्षा प्रदान करने में गर्व महसूस करेंगे : डॉ. अशोक बाजपेई

हरदोई, रफी अहमद किदवाई इण्टर कालेज के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण सोमवार को राज्यसभा सांसद एवं पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ० अशोक वाजपेयी ने शिलापट अनावरण के साथ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि लम्बे

समय से विद्यालय का संचालन किराये के भवन में चल रहा था। निजी भूमि मिलने के बाद कालेज के पूर्व प्रबन्धक अरुणेश वाजपेयी के प्रयत्नों से भव्य भवन बनकर तैयार है। डॉ० वाजपेयी ने कहा कि अब सभी सुविधाओं से परिपूर्ण इस सुसज्जित भवन में गुरुजनों द्वारा विद्यार्थियों को और अधिक गुणवत्ता परक एवं संस्कारित शिक्षा प्रदान करने में गर्व महसूस होगा। उन्होंने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यहां के बच्चे खूब मन लगाकर पढ़ें और जिले में ही नहीं बल्कि प्रदेश में भी इस विद्यालय का नाम रोशन करें। विशिष्ट अतिथि डी० आई० ओ० एस० बाल मुकन्द प्रसाद ने नवनिर्मित भवन में प्रवेश पर शुभकामनाएं देते हुए छात्रों शिक्षकों की समस्याओं को हल करने का आश्वासन दिया। डॉ० अशोक बाजपेयी के पहुँचने पर प्रबन्धक सुयश वाजपेयी ने मार्ल्यापण किया साथ ही स्काउट के बच्चों ने सल्यूट करते हुये बैंड बाजों की धुन के साथ स्वागत किया। जिसके बाद डॉ० वाजपेयी ने नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया। बच्चों ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया।इस अवसर पर भवन निर्माण समिति के मुख्य संयोजक अरूणेश वाजपेयी ने कहा कि 54 हजार स्क्वायर फीट भूमि मिलने के बाद हरदोई व अन्य जनपदों के सुधी दानदाताओं के सहयोग से भूतल का निर्माण पूरा हो चुका है। शेष निर्माण के लिए प्रयास जारी है। इस मौके पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष असद अली फारूकी ने संदेश के माध्यम से अपने 66 साल पुराने घर को सजा संवरा देखकर इसे जिन्दगी की नई सुबह बताते हुए बच्चों से खूब पढ़ने को कहा। भवन निर्माण कराने वाले इंजीनियर राजेश दीक्षित के कुशल मार्गदर्शन को सभी ने सराहा। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ० अमित कुमार वर्मा ने आगत अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। संचालन डॉ० देश दीपक शुक्ल ने किया। यहां उल्लेखनीय है कि इंडिया टी०वी० के मैनेजिंग एडीटर रजत शर्मा ने प्रबन्धक सुयश वाजपेयी को पत्र लिखकर अपनी शुभकामनाएं देते हुए संस्थापक प्रधानाचार्य असद अली फारूकी एवं 45 सालों से प्रबन्धक का दायित्व निभाते रहे अरूणेश वाजपेयी के योगदान को सराहा है। नवनिर्मित भवन के प्रत्येक कक्ष में दिवंगत महानुभावों के स्मृतियों को ताजा करते हुए पट्टिकाएं लगायी गयीं हैं। जिनमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबू हरि बहादुर श्रीवास्तव, मानव यादव, राम गोपाल गुप्ता, राकेश चन्द्र गुप्ता, मन्नी लाल गुप्ता ए० के० चर्तुवेदी स्मृति कक्ष शामिल हैं।

जुलाई में ही विधवा व मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य लाभार्थियों के खातों में आ जायेगा पैसा

55489 विधवा पेंशन व 264 बाल सेवा योजना सामान्य योजना से हो रहे लाभान्वित

अयोध्या। शासन द्वारा जिले में 55489 विधवा पात्रों के खाते में शीघ्र ही अप्रैल मई व जून की तीन माह का पेंशन इसी महीने जुलाई माह में चला जा जायेगा। वही इसके अलावा इसी महीने में जिले में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) से 255 लाभान्वित बच्चों के खाते में भी तीन तीन महीने का पैसा चला जायेगा।यह जानकारी जिला प्रोबेशन अधिकारी अश्वनी तिवारी ने दिया।उन्होंने बताया कि शासन द्वारा चलाई जा रही अति महत्वाकांक्षी योजना में शामिल विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के लाभार्थियों के खातों में तीन तीन महीने का पेंशनध्रुपये भेजा दिया जाता है।उन्होंने बताया कि इस वर्ष जनवरी,फरवरी व मार्च तक जिले में कुल 55489 विधवा के खाते में एक हजार रुपये के हिसाब से तीन हजार रुपये भेज दिया गया है।उन्होंने बताया कि इस वर्ष अप्रैल,मई व जून में कुल 786 विधवा पेंशन से लाभान्वित होंगे।वही अप्रैल मई व जून का विधवा पेंशन लाभार्थियों के खातों में एक हजार रुपये के हिसाब से तीन हजार रुपये इसी जुलाई में चला जायेगा।उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 से शासन द्वारा वे बच्चों जिनके माता पिता मे से किसी की मृत्यु हो चुकी हो।उनके दोनों बच्चों को 2500 – 2500 रुपये से भी लाभान्वित किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि जिले में इस योजना से कुल 264 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं।उनके मुताबिक इन 264 लाभान्वित बच्चों के खाते में अभी तक इस वर्ष जनवरी फरवरी व मार्च तक पैसा भेजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही इसी महीने जुलाई के अंत तक अप्रैल मई व जून माह का लाभ 2500 – 2500 रुपये के हिसाब से भेज देंगे।

वार्ड में गंदगी देख कर्मियों पर भड़के सीएमओ

सीएमओ ने सीएचसी रुदौली व मसौधा का किया औचक निरीक्षण

अयोध्या।सावन झूला मेला और कांवड़ यात्रा के चलते सीएमओ डॉ संजय जैन ने सीएचसी रुदौली और मसौधा का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्हें वार्ड में गंदगी ही मिली। जिसके चलते उन्होंने वहां पर मौजूद कर्मियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी वार्डों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें।सीएचसी रुदौली के आकस्मिक निरीक्षण मे आकस्मिक सेवाओं और बेड,दवाओं तथा उपकरण की पर्याप्त उपलब्धता की स्थिति को देखा।रुदौली के निरीक्षण में आकस्मिक सेवाओं की स्थिति ठीक पाई गई,इमरजेंसी वार्ड में 3 मरीज भर्ती पाए गए और उनका समुचित ईलाज चल रहा था, प्रसव कछ के निरीक्षण में प्रसव सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही थी, वार्डों में गंदगी देखकर अपनी नाराजगी जताई और सख्त निर्देश दिया कि अस्पताल और वार्डों की नियमित सफाई की जाए और जो भी कूड़ा इकठ्ठा हो अस्पताल परिसर में एक किनारे कूड़ेदान में उनका तुरन्त निस्तारण कर दिया जाए जिससे असपताल में आने वाले मरीजों को इन्फेक्शन से बचाया जय सके।सावन झूला मेला और कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत चिकित्सकों सहित सभी स्टॉफ की उपस्थिति और पर्याप्त मात्रा में दावों की उपलब्धता बरकरार रखी जाए।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सीएचसी मसौधा के भ्रमण में इमरजेंसी कक्ष में गन्दगी देखकर सख्त नाराजगी जताई।वहां बेड की सफाई और चद्दर को तत्काल बदलने के निर्देश के साथ भविष्य में साफ सफाई बनाए रखने का भी निर्देश दिया।इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही बरती जाए।अस्पताल के निरीक्षण में दवाओं,उपकरणों की उपलब्धता को भी परखा और निर्देश दिया कि यदि दवाओं की जब भी आवश्यकता हो तत्काल इंडेंट कर डिस्ट्रिक्ट स्टोर से मंगा लिया जाए साथ ही अस्पताल में आने वाले मरीजों को तत्काल स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएं।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अस्पताल स्नेक बाइट से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में ए एस वी (एंटी स्नेक वैक्सीन) रखी जाए।सावन झूला मेला और कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत असपताल में सभी चिकित्सक और स्टॉफ, बेड्स, दवायें,उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।आकस्मिक सेवाएं 24×7 दिन प्रदान की जाएं।

अखिल भारतीय चित्रांश महासभा का चुनाव संपन्न ,श्री संजीव वर्मा को सर्व सम्मति से संस्था का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

राजधानी लखनऊ। अखिल भारतीय चित्रांश महासभा का आज यहां चुनाव संपन्न हो गया, जिसमें

श्री संजीव वर्मा को सर्व सम्मति से संस्था का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनोद बिहारी वर्मा को संगठन का प्रधान संरक्षक बनाया गया। श्री विनोद श्रीवास्तव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री विमलेश श्रीवास्तव राष्ट्रीय महामंत्री और श्री वीरेन्द्र सक्सेना राष्ट्रीय महासचिव चुने गए। श्रीमती सरिता वर्मा संगठन की महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुई और श्रीमती मीनाक्षी वर्मा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया। साथ ही रा0 कोषाध्यक्ष श्री नेपोलियन सक्सेना व रा0 प्रशासनिक सचिव राजन सक्सेना बनाये गये। युवा संभाग का राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विशाल श्रीवास्तव को बनाया गया। श्री भानू प्रताप श्रीवास्तव को प्रदेश उपाध्यक्ष व लखनऊ का प्रभारी बनाया गया। नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संजीव वर्मा ने सदस्यों को उन्हें अध्यक्ष निर्वाचित करने पर धन्यवाद दिया और कहा कि आप लोगों ने मुझे जो महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है उसे मैं आप सब लोगों के सहयोग से ही पूरा कर पाऊंगा। उन्होने बताया कि इससे पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष रहते हुए भी उन्होने देश ही नही बल्कि विदेश के चित्रांश भाईयों को एकजुट करने और अपने संगठन में शामिल करने की दिशा में निरन्तर प्रयास किया जिसके परिणाम स्वरुप अमेरिका, उत्तरी कैलिफोर्निया, जर्मनी और दुबई के चित्रांशों ने काफी रुचि दिखाई और अखिल भारतीय चित्रांश महासभा से जुड़ने की इच्छा व्यक्त की। उनकी रुचि को ध्यान में रखकर राजीव कुमार सत्संगी को उत्तरी कैलिफोर्निया व सचिन सिंह को बोस्टन (अमेरिका) का अध्यक्ष बनाया है जबकि अनुराग वर्मा को दुबई में अध्यक्ष बनाया गया है। इन सभी लोगो ने अपना काम भी शुरु कर दिया है। श्री वर्मा ने बताया कि इसके अलावा देश व प्रदेश के विभिन्न शहरों का दौरा करके समस्त कायस्थ भाईयों को एकजुट करने का महती प्रयास किया है। उन्होंने अपनी समस्याओं से भी मुझे अवगत कराया है जिसपर विचार करके उनका निवारण करने की भी कोशिश की है। इसके अलावा राना रंजीत वर्मा, के0 सरन, ई0 सुभाष, संतोष श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, विमलेश चन्द्र अरविन्द प्रधान, गोपी कृष्ण, उपाध्यक्ष नियुक्त हुये।

पुलिस भर्ती में उत्तर प्रदेश के युवाओं को कोरोना महामारी के चलते आयु में तीन वर्ष की छूट दी जाए

हरदोई। सामाजिक संगठन सवर्ण चेतना सभा पूरे उत्तर प्रदेश में सर्व समाज जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्षरत रहती है। सवर्ण चेतना महासभा के जिला महासचिव विजय पांडेय मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को देकर आयु में तीन वर्ष हाल ही में उत्तर प्रदेश में सरकार द्वारा पुलिस भर्ती का नोटिफिकेशन आने वाला है इसमें उनकी प्रमुख समस्या मेहनत कश युवाओं के सामने उम्र का है। कोरोना काल से प्रदेश में 2018 के बाद विगत 5 वर्षों से उत्तर प्रदेश में आरक्षी नागरिक पुलिस की भर्ती नहीं आई है । अन्य प्रदेशों में भी ऐसा हुआ है इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए अन्य सरकारों ने युवाओं को रोजगार प्रदान करने की दृष्टि से आरक्षित अर्धसैनिक बलों की भर्ती में एवं केन्द्र सरकार द्वारा सीआरपीएफ व सामान्य जी0डी0 तथा ट्रेड मैन की भर्ती मे आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी है ,ताकि बीते पांच वर्षों में आयु सीमा पार कर चुके शिक्षित

नौजवानों को इन सेवाओं में भर्ती का अवसर मिल सके । हम सब उत्तर प्रदेश के नौजवानों एवं उनके परिवारों की ओर से अपील करना चाहते है कि केंद्र एवं अन्यत्र राज्य सरकारों की भाति उत्तर प्रदेश सरकार भी इन पुलिस भर्तियां मे आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट देकर अधिकाधिक युवाओं को रोजगार प्रदान करें। इस अवसर पर सवर्ण चेतना सभा जनपद हरदोई के जिलाध्यक्ष रणन्जय सिह,श्याम वीर,सुशील त्रिपाठी,राज कुमार एडवोकेट, शिव मोहन शुक्ल, राजीव सिह ,अय्यूब खान,विमल एडवोकेट प्रमुख रुप से मौजूद रहे।।

मन के हारे हार है मन के जीते जीत, राजस्थान प्रशासनिक सेवा में इतिहास रचने वाली गरिमा शर्मा

लाखों–करोड़ों महिलाओं की प्रेरणा स्त्रोत बनेंगी

अयोध्या। कहते हैं कि पढ़ाई लिखाई की कोई उम्र नहीं होती, समय–समय पर इसे कुछ बिल्ली लोगों द्वारा सिद्ध भी किया गया है, और अब की बार इसे सिद्ध करने का बीड़ा उठाया है राजस्थान की रहने वाली गरिमा शर्मा द्वारा ,राजस्थान प्रशासनिक सेवा अभूतपूर्व सफलता हासिल करने वाली गरिमा शर्मा की उपलब्धि की जितनी प्रशंसा की जाए , उतनी ही कम होगी, सफलता यह नहीं कि वे एसडीएम के पद पर चयनित हुई है बल्कि सफलता इस बात की कि उन्होंने यह उपलब्धि 51 वर्ष की आयु में प्राप्त की है, जी हां 51 वर्ष की आयु में यह वह आयु होती है जब अधिकांश लोग सरकारी नौकरी में रिटायरमेंट की ओर अग्रसर होते हैं, किंतु गरिमा शर्मा ने इस आयु में इतनी बड़ी उपलब्धि प्राप्त करके एक नया इतिहास रच दिया है, गरिमा शर्मा विशेषकर महिलाओं के लिए वह एक नई प्रेरणा स्त्रोत हैं जो उम्र के इस पड़ाव पर आकर अपने आपको थका हारा, बेचारा और खुद को दूसरे पर आश्रित कर लेती हैं, मन के हारे हार है मन के जीते जीत कहावत को चरितार्थ करते हुए गरिमा शर्मा ने बेहद विपरीत और कठिन परिस्थितियों में यह उपलब्धि प्राप्त की है, उनके समक्ष कठिन परिस्थितियों की बात करें तो सर्वप्रथम यह की उनके पति इस संसार में नहीं है, उनकी पति की अंतिम इच्छा थी की गरिमा शर्मा किसी सरकारी नौकरी में जाएं, क्योंकि वह खुद एक सरकारी विभाग में अधिकारी थे, पति की मृत्यु के 14 वर्ष बाद गरिमा शर्मा ने पुनः किताबें उठाई और पढ़ाई प्रारंभ कर दी पहली बार में वे तहसीलदार के पद पर चयनित हुई, किंतु उनका लक्ष्य राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आर ए एस) में जाने का था, और उन्होंने उसके लिए पढ़ाई जारी रखी, तथा गरिमा शर्मा का परिश्रम रंग लाया और वह एसडीएम के पद पर चयनित हुई, यहां एक बात ध्यान देने योग्य यह है कि वैसे तो राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित होने की अंतिम आयु 40 वर्ष है किंतु की गरिमा शर्मा विधवा थी और राजस्थान प्रशासनिक सेवा में विधवा महिलाओं के लिए कोई भी अंतिम आयु का निर्धारण नहीं है अर्थात वे रिटायरमेंट की आयु 60 वर्ष तक नौकरी कर सकती है।

एक ही साथ ससुर बहू की चिता जलने पर गमगीन हुआ माहौल

करंट की चपेट में आने से शनिवार शाम ससुर और बहू की हुई थी मौत

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या। बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के दुवावा बसंतपुर गांव में शनिवार शाम घर के भीतर तार पर कपड़ा फैलाते समय तार में प्रवाहित विद्युत करंट की चपेट में आने से ससुर और बड़ी बहू की झुलस कर हुई मौत तथा छोटी बहू के झुलस कर जख्मी हो जाने से घटना के दूसरे दिन रविवार को भी पूरे गांव में शोक पसरा रहा। पीड़ित परिवार के घर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। हादसे में कोतवाली क्षेत्र के दुवावा बसंतपुर निवासी महेश प्रताप सिंह 65 वर्ष और उनकी बड़ी बहू प्रीति सिंह 40 वर्ष की विद्युत करंट की चपेट में आने से मौत हो गई थी। जबकि बचाने के चक्कर में छोटी बहू प्रियंका सिंह 32 झुलस कर जख्मी हो गई थी। जिनका उपचार अभी भी अस्पताल में चल रहा है। हालत खतरे से बाहर बताई जाती है। रात में पोस्टमार्टम के बाद रविवार सुबह जब ससुर और बड़ी बहू का शव घर पहुंचा तो परिजनों और रिश्तेदारों के करुण क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया। रविवार को मृतक महेश प्रताप सिंह और बड़ी बहू प्रीति सिंह का दाह संस्कार नंदीग्राम भरतकुंड के अंत्येष्टि स्थल पर किया गया। अंतिम संस्कार में तमाम लोग शामिल हुए। ससुर और बहू की एक ही साथ अलग–अलग चिता जलने से अंतिम संस्कार में शामिल हर कोई गम में डूब गया। कई लोग अपने आंसू नहीं रोक पाए। अंतिम संस्कार में शामिल भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव सिंह, बाबा विश्वनाथ पीजी कॉलेज के प्रबंधक दिग्विजय सिंह, पूर्व प्रधान राजेश कुमार वर्मा, सतीश कुमार मिश्रा, सपा जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव, जिला पंचायत सदस्य अतुल यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राम नयन यादव, अरविंद पांडे, राजकुमार वर्मा, अनिल वर्मा अजय तिवारी, संतोष गौड़, अमित सिंह, राजीव सिंह सहित तमाम लोगों द्वारा दुखद घटना पर गहरा दुख जताया गया। विद्युत करंट का शिकार हुए मृतक महेश प्रताप सिंह की पत्नी का भी कुछ समय पूर्व देहांत हो गया था। अब परिवार में ही विद्युत करंट की चपेट में आने से एक साथ शनिवार शाम को हुई 2 मौतों से हर कोई दुखी है।

जैन मिलन लखनऊ द्वारा वीर शासन जयंती का कार्यक्रम संपन्न हुआ

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

राजधानी लखनऊ । जैन मिलन लखनऊ द्वारा दिनांक 09 जुलाई को

वीर शासन जयन्ती का कार्यक्रम सिटी माण्टेसरी स्कूल गोमती नगर लखनऊ में किया गया । कार्यक्रम का प्रारम्भ महावीर प्रार्थना से हुआ, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो0 विजय कुमार जैन , निदेशक बी . एल . इन्स्टीट्यूट ऑफ इण्डोलॉजी , दिल्ली , विशिष्ट अतिथि वीर अनुराज जैन , मुख्य विकास अधिकारी , अम्बेडकरनगर एवं वीर शुभम जैन , संयुक्त निदेशक सार्वजनिक उद्यम ब्यूरो , विशिष्ट अतिथि वीर वीरेन्द्र कुमार जैन , सेवानिवृत्त मुख्य अभियन्ता , लोक निर्माण विभाग थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर अजय कुमार जैन कागजी ने की । कार्यक्रम का उदघाटन दीप प्रज्जवन करके किया गया । वीर विशाल जैन ने स्वागत भाषण देते हुए आये हुए अतिथियों का स्वागत किया । वीर पीयूष जैन ने कार्यक्रम का संचालन किया । तदोपरान्त स्व ० वृषभ प्रसाद जैन की स्मृति में स्मृति विशेषांक का लोकार्पण किया गया । भारतीय जैन मिलन के संरक्षक वीर शैलेन्द्र जैन ने मिलन उपलब्धि सेवा सम्मान पर प्रकाश डाला । तदोपरान्त स्वर्गीय मणिकान्त जैन की स्मृति में उनके परिवार के सदस्यों श्रीमती माया जैन , श्री पीयूष जैन , श्रीमती सुरभि जैन , कुमारी सम्भवी जैन , श्रीमती रिचा जैन और कुमारी रिया जैन ने ^ जैन धर्म की जय ट्रस्ट ^ की ओर से मिलन उपलब्धि सेवा सम्मान वीर नवीन जैन एवं वीर संजय जैन को प्रदान किया तथा विशेष मेघावी बच्चों का सम्मान किया । इसके पश्चात वर्ष 2023 में हाईस्कूल एवं इन्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले मेघावी बच्चों का सम्मान किया गया । उपस्थित वक्ताओं ने चीर शासन जयन्ती एवं भगवान महावीर के जीवन पर प्रकाश डाला तथा मेघावी छात्र एवं छात्राओं को आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया । कार्यक्रम में लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों के जैन समाज के धर्मावलम्बियों ने प्रतिभाग किया ।

सावन के पहले सोमवार पर भगवान राम की नगरी में उमड़ा आस्था का सैलाब

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या । भगवान राम की नगरी शिव के जयकारों के साथ हुई गुंजायमान. स्थानीय समेत आसपास के जिले के शिवभक्त सरयू में कर रहे स्नान, कर रहे भगवान शिव का जलाभिषेक. सावन के पहले सोमवार को लेकर प्रशासन ने किए पुख्ता इंतजाम. सुरक्षा के लिहाज से शहर समेत राष्ट्रीय राजमार्ग पर लागू है रूट डायवर्जन. भगवान राम के पुत्र कुश के द्वारा स्थापित सिद्धपीठ नागेश्वरनाथ में कर रहे हैं शिव भक्त जलाभिषेक और दर्शन पूजन।

योगी, अयोध्या के संतों ने चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा देने का किया स्वागत

अयोध्या। रामनगरी में चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग परिक्रमा के लिए बनाया गया एक मार्ग है और तीर्थयात्रियों के लिए इसके महत्व के लिए जाना जाता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अयोध्या में चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) घोषित करने के केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के फैसले का स्वागत किया।, अयोध्या संत समाज ने भी फैसले का स्वागत किया है। अयोध्या में चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग परिक्रमा के लिए बनाया गया एक मार्ग है और तीर्थयात्रियों के लिए इसके महत्व के लिए जाना जाता है। " प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और नितिन गडकरी के नेतृत्व में चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की अधिसूचना जारी होना अयोध्या के प्राचीन गौरव की पुनर्स्थापना की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह आध्यात्मिक पर्यटन क्षेत्र को सहायता प्रदान करेगा, "मुख्यमंत्री ने घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए एक ट्वीट में कहा। गडकरी ने पहले ट्वीट किया था, श्उत्तर प्रदेश राज्य में चौरासी कोशी परिक्रमा मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने के लिए मसौदा अधिसूचना जारी की गई है। चौरासी कोसी परिक्रमा 275 किमी की दूरी तय करती है, जो उत्तर प्रदेश के पांच जिलों अयोध्या, अंबेडकर नगर, बाराबंकी, गोंडा और बस्ती से होकर गुजरती है। यह विस्तार 107 गांवों को छूता है, वहीं परिक्रमा मार्ग में 241 पुलिया, तीन बड़े और 21 छोटे पुल होंगे, वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गडकरी से चौरासी कोसी परिक्रमा को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में विकसित करने का आग्रह किया था। अयोध्या संत समाज के प्रमुख महंत कनहिया दास ने सरकार के फैसले का स्वागत किया और कहा कि इससे अयोध्या का समग्र विकास भी होगा। हर साल, तीन परिक्रमाओं – पंची कोसी, चौदह कोसी और चौरासी कोसी – के लिए बड़ी संख्या में भक्त अयोध्या में इकट्ठा होते हैं और राज्य सरकार इन तीनों परिक्रमाओं के मार्ग भी विकसित कर रही है, इन मार्गों पर जिले विकसित करने की भी योजना।

हिन्दी सांध्य दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी प्रभुदयाल श्रीवास्तव की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।